



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 60]

नई दिल्ली, मंगलवार, अप्रैल 4, 2006/चैत्र 14, 1928

No. 60]

NEW DELHI, TUESDAY, APRIL 4, 2006/CHAITRA 14, 1928

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 1 अप्रैल, 2006

प्रारंभिक जांच परिणाम

विषय: चीन जन.गण. मूल के अथवा वहां से निर्यातित सैकरिन के आयात के संबंध में पाटनरोधी जांच

.....

सं० 14/27/2004-डीजीएडी- वर्ष 1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे इसके बाद अधिनियम कहा गया है) और सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान तथा उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण और क्षति का निर्धारण) नियमावली, 1995(जिसे इसके बाद नियमावली कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए:

- जबकि मै० एस इंट्रप्राइजेज, मुंबई, मै० स्वाति पैट्रोकेमिकल्स प्रा० लि०, थाणे और मै० श्री वर्धयानी केमिकल इंडस्ट्री कं० लि०, गुजरात और ऑल इंडिया सैकरिन मैन्यूफैक्चरर्स एसोसिएशन, मुंबई के उनके समर्थकों (जिन्हें इसके बाद आवेदक कहा गया है) ने वर्ष 1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 और सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान तथा उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण और क्षति का निर्धारण) नियमावली, 1995(जिसे इसके बाद नियमावली कहा गया है) के अनुसार, निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे इसके बाद प्राधिकारी कहा गया है) के समक्ष एक आवेदन-पत्र दायर किया है जिसमें चीन जन.गण. (जिसे इसके बाद संबद्ध देश कहा गया है) के मूल के अथवा वहां से निर्यातित सैकरिन (जिसे इसके बाद संबद्ध माल कहा गया है) के पाटन का आरोप लगाया गया है और अनुरोध किया गया कि संबद्ध माल पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के बारे में पाटनरोधी जांच आरंभ की जाए। प्राधिकारी ने उक्त नियमावली के उप नियम 5(5) के अनुसार पाटन के आरोप प्राप्त होने के बारे में चीन जन.गण. के दूतावास को अधिसूचित किया।

3. और जबकि प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की ओर से आवेदक द्वारा प्रस्तुत पर्याप्त साक्ष्य के आधार पर भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित दिनांक 4 जुलाई, 2005 की एक सार्वजनिक सूचना जारी की जिसके अनुसार उक्त नियमावली के नियम 6(1) के अनुसार संबद्ध देश के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध माल के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच आरंभ की गई जिससे तथाकथित पाटन होने, उसकी मात्रा तथा प्रभाव का निर्धारण किया जा सके और इस बात की सिफारिश की जा सके कि क्या पाटनरोधी शुल्क की राशि यदि लगाई जाए तो क्या वह घरेलू उद्योग को हो रही क्षति को समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगी।

क. प्रक्रिया

4. प्राधिकारी द्वारा उपरोक्त जांच-प्रारंभ के बारे में अधिसूचित करते हुए सार्वजनिक सूचना जारी किए जाने के बाद इस जांच के संबंध में नीचे वर्णित प्रक्रिया अपनाई गई है:
- (i) निर्दिष्ट प्राधिकारी ने आवेदकों द्वारा उपलब्ध कराए गए पतों के अनुसार भारत में संबद्ध देश के दूतावास, संबद्ध देश के ज्ञात निर्यातकों, आयातकों तथा घरेलू उद्योग को दिनांक 4 जुलाई, 2005 की जांच-प्रारंभ अधिसूचना की प्रतिलिपियां भेजीं और उनसे अनुरोध किया कि वे जांच-प्रारंभ संबंधी अधिसूचना की तारीख से 40 दिनों के भीतर अपने-अपने विचार लिखित रूप में प्रस्तुत कर दें।
 - (ii) प्राधिकारी ने उपरोक्त नियम 6(3) के अनुसार ज्ञात निर्यातकों और चीन जन.गण. के दूतावास को आवेदन के अगोपनीय अंश की प्रतियां उपलब्ध करायीं।
 - (iii) चीन जन.गण. के भारत स्थित दूतावास को नियम 6(2) के अनुसार जांच-प्रारंभ के बारे में सूचित किया गया और अनुरोध किया गया कि वे अपने देश के निर्यातकों/उत्पादकों को सलाह दें कि वे निर्धारित समयावधि के भीतर प्रश्नावली का प्रत्युत्तर दे दें। निर्यातकों को भेजे गए पत्र तथा प्रश्नावली की एक-एक प्रति निर्यातकों के नाम तथा पतों के साथ-साथ उन्हें भेजी गई।
 - (iv) बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार दिए जाने संबंधी एक प्रश्नावली चीन जन.गण. के सभी ज्ञात निर्यातकों तथा दूतावास और ब्यूरो आफ फेयर ट्रेड चीन (बीओएफटी) को प्रेषित की गई। हालांकि जांच प्रारंभ के प्रयोजनार्थ चीन जन.गण. के सामान्य मूल्य पर वहां से संबद्ध माल की परिकलित उत्पादन लागत के आधार पर विचार किया गया लेकिन प्राधिकारी ने सभी ज्ञात निर्यातकों को सूचित किया कि प्राधिकारी का प्रस्ताव है कि यथासंशोधित पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध I के पैरा (7) तथा (8) के मद्देनजर आवेदक के दावे की जांच की जाए। अतः चीन जन.गण. के संबद्ध माल के संबंधित निर्यातकों/उत्पादकों से अनुरोध किया गया कि पैरा (8) के उप पैरा (3) में यथाउल्लिखित आवश्यक जानकारी/पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत कर दें ताकि निर्दिष्ट प्राधिकारी इस बात पर विचार कर सके कि क्या उन सहयोगकारी निर्यातकों/उत्पादकों को बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार प्रदान किया जा सके जो यह प्रदर्शित करें कि वे उपरोक्त पैराग्राफ में निर्धारित मानदंडों को पूरा करते हैं।
 - (v) प्राधिकारी ने संगत जानकारी मंगाने हेतु चीन जन.गण. के ज्ञात निर्यातकों को नियम 6(4) के अनुसार एक-एक प्रश्नावली भेजी।
 - (vi) उपरोक्त अधिसूचना के प्रत्युत्तर में संबद्ध देश के निम्नलिखित निर्यातकों ने प्रश्नावली का प्रत्युत्तर दिया:-
 - (क) मै0 शंघाई फार्चून केमिकल्स कं0 लि0, चीन जन.गण. (विनिर्माता) और मै0 मैजेस्टिक इंटरनेशनल ट्रेडिंग कं0 लि0, हांगकांग (निर्यातक)

- (ख) मै0 काइफेंग जिंगहुआ फाइन केमिकल फैक्टरी
(ग) मै0 तियानजिन चेंगजि केमिकल कं0 लि0

- (vii) भारत में संबद्ध माल के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों तथा उपभोक्ताओं को प्रश्नावलियां भेजी गई जिसमें नियम 6(4) के अनुसार आवश्यक जानकारी मंगाई गई ।
- (viii) वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डीजीसीआईएण्डएस) से अनुरोध किया गया कि वे जांच अवधि सहित पिछले तीन वर्षों के लिए संबद्ध माल के आयातों के ब्यौरे उपलब्ध कराएं ।
- (ix) प्राधिकारी ने विभिन्न इच्छुक पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य के अगोपनीय अंश को सार्वजनिक फाइल के रूप में उपलब्ध कराया और उसे इच्छुक पक्षकारों को निरीक्षण हेतु खुला रखा ।
- (x) सामान्यतया स्वीकृत लेखा सिद्धांतों (जीएएपी) के आधार पर याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत जानकारी पर आधारित भारत में संबद्ध माल की अनुकूल उत्पादन-लागत, और विनिर्माण एवं बिक्री-लागत की गणना की गई जिससे यह पता लगाया जा सके कि यदि पाटन मार्जिन से कम पाटनरोधी शुल्क लगाया जाता है तो क्या वह घरेलू उद्योग को हो रही क्षति को समाप्त करने हेतु पर्याप्त रहेगा ।
- (xi) इस अधिसूचना में **** पर व्यक्त जानकारी याचिकाकर्ता द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत जानकारी को व्यक्त करती है और प्राधिकारी द्वारा उक्त नियमावली के तहत उसी पर विचार किया गया है ।
- xii) जांच दिनांक 1 जनवरी, 2004 से प्रारंभ 31 दिसंबर, 2004 तक की अवधि (जांच अवधि) के लिए की गई । क्षति विश्लेषण के संदर्भ में, रूझानों की जांच 1 अप्रैल, 2001 से 31 मार्च, 2004 और जांच अवधि के लिए की गई ।

ख. विचाराधीन उत्पाद

5. मौजूदा जांच में विचाराधीन उत्पाद सैकरिन है ।
6. सैकरिन एक अपोषक मिठास है और इसे चीनी के कम कैलोरी वाला प्रतिस्थापन माना जाता है । सैकरिन का मूल रूप से तीन किस्मों का उत्पादन किया जाता है अर्थात् सोडियम सैकरिन, कैल्शियम सैकरिन और अघुलनशील सैकरिन । सैकरिन का उत्पादन दो नैसर्गिक रूपों अर्थात् दाना तथा पाउडर में होता है । दानेदार सोडियम सैकरिन का प्रयोग ऐसी स्थिति में किया जाता है जहां सैकरिन घुलनशील हो और पाउडर रूप जो पिसा हुआ हो और जो स्प्रे ड्राइड हो, का प्रयोग ड्राई मिक्सिज तथा फार्मास्यूटिकल्स में किया जाता है । सैकरिन के अघुलनशील रूप का प्रयोग अनेक फार्मास्यूटिकल तथा मेडिकल अनुप्रयोगों में किया जाता है । यह पानी में थोड़ा घुलनशील होता है । सैकरिन चीनी की तुलना में 500 गुना से भी अधिक मीठा होता है । सैकरिन के सभी रूप मौजूदा जांच के दायरे में शामिल हैं ।
7. सैकरिन का प्रयोग अनेक उद्योगों में होता है जैसे खाद्य तथा पेय, वैयक्तिक सावधानी वाले उत्पादों, टेबल टॉप स्वीटनर्स, इलेक्ट्रोप्लेटिंग ब्राइटनर्स तथा फार्मास्यूटिकल्स, इत्यादि में ।
8. सैकरिन का वर्गीकरण उपशीर्ष सं0 29251100 के तहत सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 के अध्याय 29 के तहत किया हुआ है । सीमाशुल्क वर्गीकरण केवल संकेतात्मक होता है और इसकी मौजूदा जांच के दायरे पर कोई बाध्यता नहीं है ।

ख.1 समान वस्तु

9. घरेलू उद्योग ने दावा किया है कि उनके द्वारा उत्पादित माल संबद्ध देश के मूल के अथवा वहां से निर्यातित माल की 'समान वस्तु' है। घरेलू उद्योग सैकरिन का उसके सभी रूपों में उत्पादन कर रहा है। घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित माल और चीन से आयातित माल उसके नैसर्गिक रूप और रासायनिक संघटन में तुलनीय हैं। चीन से आयातित सैकरिन और घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित सैकरिन तकनीकी एवं वाणिज्यिक दृष्टियों से प्रतिस्थापनीय हैं। घरेलू उद्योग ने यह भी दावा किया है कि सैकरिन के विनिर्माण के लिए चीन के उत्पादक सैकरिन के उत्पादन के लिए माउमिस प्रक्रिया अपनाते हैं जबकि भारतीय उत्पादक सोडियम डायक्रोमेट रूट अपनाते हैं लेकिन अंतिम उत्पाद में कोई अंतर नहीं है।
10. मै0 शंघाई फार्चून केमिकल्स कं0 लि0 ने कहा कि वे भारतीय बाजार को केवल सोडियम सैकरिन की ही बिक्री कर रहे हैं।
11. प्राधिकारी नोट करता है कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित सैकरिन और चीन से आयातित सैकरिन परस्पर तुलनीय हैं। चीन से आयातित उत्पाद और घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित माल में कोई अंतर नहीं है। घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित उत्पाद और संबद्ध देश से आयातित उत्पाद चूंकि सभी आवश्यक विशेषताओं में एकसमान हैं और वे वाणिज्यिक एवं तकनीकी दोनों दृष्टियों से प्रतिस्थापनीय हैं, अतः उन्हें उपरोक्त नियमावली के नियम 2(घ) के आशय के भीतर समान वस्तुएं माना जाता है।

ग. घरेलू उद्योग की स्थिति और जांच का प्रारंभ

12. उक्त आवेदन-पत्र मै0 ए एस इंटरप्राइजेज, मुंबई, मै0 स्वाति पेट्रोकेमिकल्स प्रा0 लि0, थाणे और मै0 श्री वर्ध्यानी केमिकल इंडस्ट्री कं0 लि0, गुजरात और ऑल इंडिया सैकरिन मैनुफैक्चरर्स एसोसिएशन, मुंबई के उनके प्रतिनिधि समर्थकों द्वारा दायर किया गया जो भारत में संबद्ध माल के उत्पादक हैं। आवेदकों तथा उनके समर्थकों का भारत में संबद्ध माल के उत्पादन का 81.73% हिस्सा है और इसीलिए इस आवेदन का कोई विरोध भी नहीं हुआ है। अतः आवेदक भारतीय पाटनरोधी नियमावली के आशय के भीतर घरेलू उद्योग है। अन्य इच्छुक पक्षकारों ने इस संबंध में कोई दलील नहीं दी है।

घ. पाटन मार्जिन की गणना पद्धति और बाजार अर्थव्यवस्था की जांच**घ.1 घरेलू उद्योग के विचार**

13. घरेलू उद्योग ने निवेदन किया कि चीन एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश है। चीन को विगत तीन वर्षों में यूरोपीय आयोग तथा संयुक्त राज्य अमरीका द्वारा गैर-बाजार अर्थव्यवस्था का व्यवहार दिया गया है। भारत में निर्दिष्ट प्राधिकारी ने चीन को दिनांक 31.5.2002 के संशोधन के बाद की गई सभी जांचों में व्यावहारिक रूप से गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना है। अतः चीन एक गैर-अर्थव्यवस्था वाला देश है और चीन के उत्पादकों को बाजार अर्थव्यवस्था के दर्जे का व्यवहार नहीं दिया जा सकता है।

घ.2 उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा किए गए निवेदन

घ.2.1 मै0 शंघाई फार्चून केमिकल्स कं0 लि0 (विनिर्माता) चीन, जन.गण और मै0 मैजेस्टिक इंटरनेशनल ट्रेडिंग कं0 लि0 (निर्यातक), हांगकांग के निवेदन

14. ऊपर उल्लिखित उत्पादक तथा निर्यातक ने कहा कि मै0 शंघाई फार्चून केमिकल्स कं0 लि0 एक लिमिटेड कंपनी है जिसमें हांगकांग में निगमित कंपनी अर्थात् फॉर्चून निटिंग कंपनी लिमिटेड का 100% स्वामित्व है। इस कंपनी का कोई भी शेयरधारक चीन का राष्ट्रिक नहीं है। उन्होंने आगे यह भी कहा कि इस कंपनी की संपूर्ण पूंजी हांगकांग में सूचीबद्ध किसी विदेशी कंपनी की है और उसका विनियमन और संचालन चीन जन.गण. के कंपनी कानून, श्रमिक कानून और पूर्णतया विदेशी स्वामित्व वाले उद्यमों संबंधी कानून तथा लेखा कानून द्वारा होता है। उन्होंने यह भी कहा कि कंपनी द्वारा खरीदे गए कच्चे माल से बाजार कीमतें परिलक्षित होती हैं और उन पर सरकारी हस्तक्षेप/दिशा-निर्देश/संचालन से कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ता है। वे कहते हैं कि मै0 शंघाई फार्चून केमिकल्स कं0 लि0 अपना कारोबार स्वतंत्र रूप से चला रहा है और अपने उत्पादन तथा बिक्रियों को बाजार की गतिविधि के अनुसार कर रहा है और बिक्री कीमतों के निर्धारण अथवा खरीदी जाने वाली मात्राओं के निर्धारण में उन पर किसी भी सरकारी अथवा स्थानीय प्राधिकारी का कोई हस्तक्षेप नहीं है।
15. डब्ल्यूटीओ के लिए चीन के पहुंच नयाचार से अपने उत्पादन के लिए सैकरिन अथवा उसके कच्चे माल का ऐसा संकेत नहीं मिलता है जो कीमत नियंत्रण के अध्यक्षीन हों। मै0 शंघाई फार्चून केमिकल्स कं0 लि0 का विनियमन एवं संचालन कंपनी के लिए लागू दिवालियापन तथा संपदा कानून सहित सभी कानूनों द्वारा होता है। इस कंपनी तथा उसके कारोबारी क्षेत्र को कोई विशेष छूट नहीं मिली हुई है।
16. प्रत्युत्तरदाता कंपनी से कहा गया कि वे अन्य बातों के साथ-साथ कच्चे माल, विद्युत सप्लाई तथा सैकरिन के उत्पादन पर प्रतिबंध/नियंत्रण से संबंधित जानकारी उपलब्ध कराएं। हालांकि पूरा उत्तर प्रस्तुत नहीं किया गया है लेकिन कच्चे माल के ब्यौरों के संबंध में यह कहा गया है कि केवल 5 प्रमुख कच्चे माल जिनके संबंध में उपभोक्ता मानदंड उपलब्ध हैं, दिए गए हैं जबकि दूसरों के संबंध में यह कहा गया है कि वे शेष सभी 15 मदों के बारे में मानदंड पूरा करें, यह अत्यधिक बोझिल होगा, अतः यह दिया नहीं गया है। सैकरिन के उत्पादन पर नियंत्रण के संबंध में यह बात स्वीकार की गई है कि चीन में सरकार द्वारा सैकरिन पर उत्पादन नियंत्रण तो होता है लेकिन उत्पादन नियंत्रण का मूल रूप से आशय यह है जिससे उत्पाद की क्वालिटी सुनिश्चित की जा सके क्योंकि इसका प्रयोग खाद्य पदार्थों के लिए किया जाता है। आगे यह भी कहा गया है कि ऐसे प्रतिबंधों से बाजार हस्तक्षेप नहीं होता है। सैकरिन के उत्पादन पर चीन के नियंत्रण का आशय मूल रूप से यह है कि ऐसे सैकरिन का अनधिकृत प्रयोग को नियंत्रित किया जाए जो स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हों। यह भी कहा गया है कि सैकरिन पर विनियमन स्वास्थ्य मंत्रालय तथा एसईटीसी द्वारा संयुक्त रूप से जारी किए गए हैं। अतः, इन विनियमनों को सरकारी हस्तक्षेप नहीं माना जाए जिससे उद्योग को गैर-बाजार दशाओं में कार्यचालन करना पड़े।

घ.2.2 मै0 काइफेंग जिगहुआ फाइन केमिकल फैक्टरी (जिगहुआ) का निवेदन

17. जिगहुआ एक सरकारी स्वामित्व वाला उद्यम है जिसमें काइफेंग नगर सरकार का चीन के लोगों की ओर से 100% शेयरधारण होता है। इसका संचालन संपूर्ण जनता और आर्डिनेंस ऑफ वर्कर्स रिप्रेजेंटेटिव कांग्रेस ऑफ इंडस्ट्रियल इंटरप्राइज ऑफ ऑनरशिप द्वारा स्वामित्वाधीन औद्योगिक उद्यमों संबंधी चीन जन.गण. के कानून द्वारा होता है। उन पर कंपनी कानून लागू नहीं होता है।
18. सैकरिन के विनिर्माण के लिए कच्चे माल तथा अन्य निविष्टियों की खरीद खुले बाजार से की जाती है और संबंधित दरें बातचीत से होती हैं जिनमें घटबढ़ होती है। वे यह भी कहते हैं कि "चूंकि सैकरिन उद्योग गंभीर प्रदूषण के किस्म का होता है अतः सरकार के लिए यह आवश्यक होता है कि वह कुछ ऐसे उपाय करे जिससे पर्यावरण संरक्षण के प्रयोजनार्थ सैकरिन उत्पादकों का मार्गदर्शन हो सके। सैकरिन उत्पादन, मात्रा तथा बिक्री मूल्यों का निर्धारण स्वतंत्र रूप से कर सकते हैं।"
19. लेखा सिद्धांतों का संचालन चीन जन.गण. के लेखा कानून द्वारा होता है जो नेशनल पीपुल्स कांग्रेस की स्थायी समिति द्वारा जारी किया जाता है और वित्त मंत्रालय द्वारा जारी व्यवसाय उद्यम लेखा प्रणाली द्वारा किया जाता है। लाभ वितरण के संबंध में उन्होंने कहा है कि "जिगहुआ अपने लाभ का 10% भाग अपने सांविधिक सामान्य कल्याण निधि को आबंटित करता है। शेष 80% भाग अवितरित रहता है। यह देखा जाए कि लाभ वितरण का निर्धारण स्वयं जिगहुआ द्वारा किया जाता है और उसमें कोई सरकारी नियंत्रण शामिल नहीं होता है।" दिवालिएपन तथा संपदा कानून के संबंध में उनका कहना है कि जिगहुआ पर लॉ ऑफ पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना इंटरप्राइज बैंक्रप्सी लागू होता है।

घ.2.3 मै0 तियांजिन चेंगजि केमिकल कं0 लि0 (चेंगजि) के निवेदन

20. चेंगजि कहता है कि वह एक चीन की विदेशी संयुक्त उद्यम कंपनी है जो चाइनीज फॉरेन इक्विटी ज्वाइंट वेंचर्स के संबंध में चीन जन.गण. के कानून के तहत पंजीकृत है और जो तियांजिन सांख्यिक साइंस एंड टेक्नोलॉजी ग्रुप कंपनी (चीन की कंपनी) और जियांगंग जिलियान ट्रेडिंग कंपनी लि0 (हांगकांग कंपनी) के स्वामित्वाधीन है। वे यह भी कहते हैं कि उन पर कंपनी कानून लागू नहीं होता है क्योंकि यह एक साइनो-फॉरेन ज्वाइंट वेंचर कंपनी है।
21. सैकरिन के विनिर्माण के सभी कच्चे माल तथा निविष्टियों की खरीद खुले बाजार से की जाती है और उसकी दरें बातचीत से तय होती हैं जिनमें घटबढ़ होती रहती है।
22. चेंगजि द्वारा प्रयुक्त लेखा सिद्धांत तथा पद्धतियों का संचालन चीन जन.गण. के लेखा कानून द्वारा किया जाता है जो नेशनल पीपुल्स कांग्रेस की स्थाई समिति द्वारा जारी किया जाता है और वित्त मंत्रालय द्वारा जारी व्यवसाय उद्यम लेखा प्रणाली द्वारा किया जाता है।
23. लाभ वितरण के संबंध में उनका कहना है कि "चेंगजि कानून के अनुसार आरक्षित निधि, उद्यम विकास निधि तथा कर्मचारी प्रोत्साहन एवं कल्याण निधि को वापस ले लेगा। ये निधियां कानून

के अनुसार चेंगजि द्वारा आयकर के भुगतान के बाद लाभ राशि से ली जाती है और वापस लिए जाने वाले प्रतिशत का निर्धारण बोर्ड द्वारा किया जाता है। यह देखा जाए कि लाभ वितरण का निर्णय चेंगजि द्वारा स्वयं लिया जाएगा और इसमें कोई भी सरकारी नियंत्रण शामिल नहीं होता है।"

घ.3 प्राधिकारी द्वारा बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार प्रश्नावली के प्रत्युत्तर की जांच

24. प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य के आकलन के प्रयोजनार्थ पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 8(2) के अनुसार इस पूर्वानुमान से कार्यवाही की कि किसी भी देश को निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा अथवा जांच से पहले की 3 वर्षों की अवधि के दौरान किसी भी डब्ल्यूटीओ सदस्य देश के सक्षम प्राधिकारी द्वारा पाटनरोधी जांच के प्रयोजनार्थ गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना है। पिछले तीन वर्षों में चीन जन.गण. को ईयू तथा संयुक्त राज्य अमरीका जैसे डब्ल्यूटीओ सदस्यों द्वारा अपनी पाटनरोधी जांचों में चीन को एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना है। मौजूदा मामले में चीन जन.गण. की गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश के रूप में जांच किए जाने का प्रस्ताव है।
25. यथासंशोधित पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध I के पैराग्राफ 8 के अनुसार गैर-बाजार अर्थव्यवस्था की धारणा का तब खंडन किया जा सकता है यदि पैराग्राफ 8 के उप-पैरा (3) में निर्धारित मानदंडों के आधार पर चीन के निर्यातक जानकारी तथा पर्याप्त साक्ष्य उपलब्ध करा दें और इस बात का खंडन साबित कर दें। चीन जन.गण. के संबद्ध माल के सहयोगकारी निर्यातकों/उत्पादकों से अपेक्षा है कि वे प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित मानदंडों पर विचार किए जाने हेतु बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार प्रश्नावली के पैराग्राफ 8 के उप पैरा (3) में यथाउल्लिखित आवश्यक जानकारी/पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत कर दें कि क्या:-
 - क) कच्चे माल सहित कीमतों, लागतों तथा निविष्टियों, प्रौद्योगिकी एवं श्रम लागत, उत्पादन, बिक्रियों तथा पूंजी निवेश के संबंध में चीन जन.गण. की संबंधित फर्मों का निर्णय उन बाजार संकेतकों के प्रत्युत्तर में किए जाते हैं जो सप्लाई तथा मांग को परिलक्षित करते हों और उसमें इस संबंध में पर्याप्त सरकारी हस्तक्षेप नहीं हो और यह भी कि क्या प्रमुख निविष्टियों की लागतें बाजार मूल्यों को काफी परिलक्षित करती हैं;
 - ख) ऐसी फर्मों की उत्पादन लागतें तथा वित्तीय स्थिति विगत गैर-बाजार अर्थ-व्यवस्था प्रणाली से प्राप्त गतिरोधों के अध्यक्षीन होती हैं, विशेषरूप से परिसंपत्तियों के ह्रास, अन्य निपटानों, वस्तु विनिमय व्यापार तथा ऋण मुआवजों के जरिए भुगतान के संबंध में;
 - ग) ऐसी फर्में दिवालियापन तथा संपदा कानूनों के अध्यक्षीन हैं जिनसे उन फर्मों के कार्यचालन के लिए कानूनी निश्चितता एवं स्थायित्व की गारंटी मिलती हो; और
 - घ) विनिमय दर परिवर्तन बाजार दर के अनुसार किए जाते हैं।
26. प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य के निर्धारण के प्रयोजनार्थ सभी ज्ञात निर्यातकों को प्रश्नावली की प्रतियां भेजी। प्रत्युत्तर तीन उत्पादकों तथा संबंधित निर्यातक से प्राप्त हुए हैं और उन्होंने बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार (एमईटी) का दावा किया है। प्रश्नावली की प्रत्युत्तर जानकारी निम्नलिखित उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा दायर की गई:-

- (1) मै0 शंघाई फार्चून केमिकल्स कं0 लि0, चीन जन.गण. और
मै0 मैजेस्टिक इंटरनेशनल ट्रेडिंग कं0 लि0, हांगकांग
- (2) मै0 काइफेंग जिंगहुआ फाइन केमिकल फैक्टरी, चीन जन.गण.
- (3) मै0 तियानजिन चेंगजि केमिकल कं0 लि0, चीन जन.गण.

घ.3.1 मै0 शंघाई फार्चून केमिकल्स कं0 लि0, चीन जन.गण. और मै0 मैजेस्टिक इंटरनेशनल ट्रेडिंग कं0 लि0, हांगकांग

27. प्राधिकारी ने नोट किया कि कच्चे माल संबंधी ब्यौरे अभी दिए जाने रहते हैं। विद्युत कंपनियों द्वारा दी गई छूट के बारे में स्थिति स्पष्ट होनी रहती है। कंपनी द्वारा किए गए निवेदनों के अनुसार सैकरिन पर उत्पादन नियंत्रण है। किंतु, कंपनी के इस दावे की कि यह क्वालिटी संबंधी नियंत्रण है और न कि उत्पादन संबंधी नियंत्रण, पर विस्तृत रूप से जांच किए जाने की आवश्यकता है। प्रत्युत्तरदाता ने इंगित किया है कि वे इन मुद्दों के संबंध में अतिरिक्त जानकारी प्रस्तुत करेंगे। प्राधिकारी ने प्रत्युत्तरदाता निर्यातक के निवेदनों की जांच की है और उसे लगता है कि सैकरिन के उत्पादन पर प्रत्यक्ष रूप से नियंत्रण है और इसीलिए यह अनुमान नहीं लगाया जा सकता है कि उत्पादन से संबंधित निर्णय मांग तथा सप्लाई को परिलक्षित करने वाले बाजार संकेतकों के प्रत्युत्तर में किए जा रहे हैं। किंतु, प्रत्युत्तरदाता के इस दावे की कि नियंत्रण का आशय क्वालिटी प्रयोजन के लिए है, विस्तृत जांच किए जाने की आवश्यकता है। इसके अलावा, अतिरिक्त जानकारी के प्राप्त होने के बाद अन्य मुद्दों की भी विस्तार से जांच की जाएगी। अतः ऐसी स्थिति में यह संभव नहीं है कि प्रत्युत्तरदाता विनिर्माता/निर्यातक के बाजार अर्थव्यवस्था के दर्जे के संबंध में कोई निश्चयात्मक निर्णय निकाला जाए। इसके परिणामस्वरूप प्राधिकारी प्रत्युत्तरदाता विनिर्माता/निर्यातक को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के तहत कार्य कर रहे कंपनी के रूप में मानने की कार्यवाही करता है।

घ.3.2 मै0 काइफेंग जिंगहुआ फाइन केमिकल फैक्टरी

28. उपरोक्त कंपनी द्वारा यह कहा जाता है कि यह एक सरकारी स्वामित्व वाली कंपनी है जिस पर संपूर्ण जनता के स्वामित्व वाले औद्योगिक उद्यमियों के संबंध में चीन जन.गण. के कानून लागू होते हैं। उपरोक्त कानून के अध्याय III के अनुसार "उद्यमियों के अधिकार एवं दायित्व" नामक शीर्षक के तहत स्पष्ट रूप से यह बताया गया है कि ऐसी उद्यम उत्पादन, बिक्रियों, कीमत निर्धारण, आदि के संबंध में सरकार के मार्गदर्शन के तहत काम करेंगे। अध्याय VI में "उद्यमियों एवं सरकार के बीच संबंध" नामक शीर्षक के तहत सरकार के अधिकार के बारे में उल्लेख है कि वे पूंजी संरचना, प्रमुख तकनीकी हस्तांतरण, फैक्टरी के निदेशकों तथा प्रमुख प्रशासनिक प्राधिकारियों की नियुक्ति एवं उन्हें हटाने, उन्हें पुरस्कार देने अथवा दंडित करने के संबंध में आवश्यक आयोजना जारी करें। इसमें विकास योजना तथा कार्यचालन निर्णयों के संबंध में उद्यम पर प्रशासनिक एवं पर्यवेक्षीय निर्णय लागू करने की सरकारी विभाग की शक्तियों का भी उल्लेख है। इसमें यह भी कहा गया है कि स्थानीय सरकार उद्यमी को "अमुक स्थान पर उद्यम तथा अन्य निकायों के बीच आवश्यक माल तथा समन्वय संबंध" प्रदान करेगी।

29. उद्यम पर लागू उपरोक्त उपबंधों से यह स्पष्ट है कि इस सरकारी नियंत्रण वाले उद्यम (जिंगहुआ) के उत्पादन, कीमत निर्धारण तथा कच्चे माल की खरीद और अन्य कार्यचालन संबंधी मामलों के संबंध में निर्णय सरकार द्वारा संचालित होते हैं। लाभ वितरण के संबंध में भी निर्णयन का मार्गदर्शन सरकार द्वारा किया जाता है। अतः उपरोक्त को देखते हुए, यह निर्णय

नहीं किया जा सकता है कि जिगहुआ बाजार अर्थव्यवस्था सिद्धांतों के अनुसार काम कर रहा है और कीमतों/लागत तथा निविष्टियों, प्रौद्योगिकी एवं श्रम लागत, उत्पादन, बिक्री एवं पूंजी निवेश संबंध निर्णय बाजार तथा मांग को परिलक्षित करने वाले बाजार संकेतकों के प्रत्युत्तर में किए जाते हैं।

घ.3.3 मै0 तियानजिन चेंगजि केमिकल कं0 लि0

30. तियानजिन से कहा गया कि वे धारक कंपनियों के स्वामित्व संबंधी ब्यौरे उपलब्ध करा दें। एक धारक कंपनी तियानजिन सांख्यान साईस एंड टेक्नोलॉजी ग्रुप कंपनी है और इसका नाम जनवरी, 2005 में बदलकर तियानिन सांख्यान ग्रुप लि0 कारपोरेशन हो गया। यह जानकारी दी गई है कि इस धारक निगम का स्वामित्व चीन के 4 व्यक्तियों द्वारा किया जाता है लेकिन संस्था नियमावली सहित और अधिक ब्यौरे दिए नहीं गए हैं। अन्य धारक कंपनी मै0 हांगकांग जीलियान ट्रेडिंग कं0 के संबंध में यह जानकारी दी गई है कि यह किसी हांगकांग नागरिक द्वारा निजी तौर पर स्वामित्व वाली कंपनी है। इस बारे में और आगे कोई ब्यौरा नहीं दिया गया है।
31. तियानजिन द्वारा खरीदे गए कच्चे माल के संबंध में यह जानकारी दी गई है कि उन्हें सप्लायरों के स्वामित्व के बारे में पूरी जानकारी मालूम है।
32. तियानजिन से कहा गया कि वे कारपोरेट कानून के संबंध में स्पष्टीकरण दें जिसके तहत उसका संचालन किया जाता है। यह जानकारी दी गई है कि "इस बारे में कुछ शंका हो सकती है। कंपनी कानून के अनुच्छेद 18 के अनुसरण में मौजूदा कानून (कंपनी कानून) विदेशी पूंजी निवेश वाली सीमित देयता कंपनियों पर लागू होगा जिनमें चीन के विदेशी इक्विटी संयुक्त उद्यमों संबंधी कानून अन्यथा उपलब्ध हों, पर ऐसे उपबंध लागू रहेंगे।" पहले यह बताया गया था कि उन पर कंपनी कानून लागू नहीं होता है लेकिन कानून लागू होने संबंधी बात की शंका अब भी बरकरार है।
33. तियानजिन से कहा गया था कि वे सैकरिन के उत्पादन के संबंध में सरकारी नियंत्रण/प्रतिबंध के बारे में उल्लेख करें। यह जानकारी दी गई है कि "चूंकि सैकरिन उद्योग गंभीर प्रदूषण के किस्म का होता है अतः सरकार के लिए यह आवश्यक हो जाता है कि वह पर्यावरण संरक्षण के प्रयोजनार्थ सैकरिन उत्पादकों के मार्गदर्शन और संसाधनों के बचाव के बारे में कुछ उपाय करे। इनमें कुछ वृहत् नीतियां शामिल हैं।" "इस किस्म की नीति सभी अर्थव्यवस्थाओं में सामान्य होती हैं और इन्हें सरकारी नियंत्रण अथवा शामिल होने जैसी बात नहीं माना जाना चाहिए।" उत्तर में कोई नीति अथवा मार्गदर्शन जैसी बातें उपलब्ध नहीं कराई गई जिससे इस बात का आकलन किया जा सके कि क्या सैकरिन के उत्पादन पर कोई नियंत्रण/प्रतिबंध लागू होता है। श्रम एवं लाभ वितरण के बारे में भी ऐसे कोई प्रतिबंध लागू हैं जो चेंगजि में सरकारी हस्तक्षेप इंगित करते हैं।
34. स्वामित्व विवरण, कच्चे माल के सप्लायरों से संबंधित ब्यौरों और सैकरिन के उत्पादन पर नियंत्रण के बारे में पूरी जानकारी के अभाव में निर्यातक के बाजार अर्थव्यवस्था के दर्जे के संबंध में निश्चित निष्कर्ष देना ऐसी स्थिति में संभव नहीं है। अतः, प्राधिकारी, उपलब्ध धारणाओं के ब्यौरे आने तक तियानजिन को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था मानने की कार्यवाही आगे बढ़ाता है। बाजार अर्थव्यवस्था दर्जे के बारे में अंतिम निर्णय इस पूर्व कल्पना के खंडन के लिए निर्यातक को पूरा अवसर दिए जाने के बाद किया जा सकेगा।

35. किंतु, प्राधिकारी, प्रारंभिक जांच-परिणामों के बाद और एमईटी प्रत्युत्तर की विस्तृत पड़ताल के बाद तथा इस पूर्व धारणा के खंडन के लिए प्रत्युत्तरदाता कंपनियों को पर्याप्त अवसर प्रदान करने के बाद कोई अंतिम निर्णय ले सकेगा।
36. अतः, प्राधिकारी, चीन के निर्यातकों के संबंध में सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु अनुबंध 1 के पैराग्राफ 1 से 6 तक में निर्धारित सिद्धांतों को लागू नहीं कर सकता है। चीन जन.गण. के सभी निर्यातकों/उत्पादकों के संबंध में सामान्य मूल्य का निर्धारण पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 7 में यथाविहित बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी नियमों के अनुसार किया जाता है।
37. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 7 के अनुसार प्राधिकारी से अपेक्षा है कि वह सामान्य मूल्य का निर्धारण "गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश की कीमत अथवा परिकलित मूल्य अथवा भारत सहित अन्य देशों को ऐसे तीसरे देश की कीमत के आधार पर करे अथवा जहां ऐसा संभव नहीं हो सके अथवा समान उत्पाद के लिए भारत में वास्तव में दी गई अथवा देय कीमत सहित किसी अन्य यथोचित आधार पर करे।" घरेलू उद्योग का प्रस्ताव है कि दक्षिण कोरिया को यथोचित बाजार अर्थव्यवस्था वाला तीसरा देश माना जाए और उन्होंने इस संबंध में दक्षिण कोरिया की निर्यात कीमतों के संबंध में कुछ आंकड़े भी उपलब्ध कराए हैं। इन आंकड़ों की जांच के बाद यह पाया गया है कि यदि तीसरे देशों को दक्षिण कोरिया की कीमतों को सामान्य मूल्य के रूप में माना जाता है तो ऐसी स्थिति में पाटन मार्जिन परिकलित सामान्य मूल्य के आधार पर गणना की गई कीमत की तुलना में अधिक होगा। अतः, ऐसी स्थिति में इस जानकारी पर विश्वास नहीं किया गया है। भारत को तीसरे देश की कीमत ऐसी निर्धारण के लिए समुचित नहीं होगी क्योंकि भारत को तीसरे देशों (संबद्ध देश से इतर) से होने वाले आयात सामान्य मूल्य के सार्थक निर्णय माने जाने के लिए कम पड़ते हैं। अतः, प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य का निर्धारण "किसी अन्य यथोचित आधार" की पद्धति का सहारा लेकर किया है।

घ.4 सामान्य मूल्य

38. इन परिस्थितियों में प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य का निर्धारण अंतर्राष्ट्रीय कीमतों पर सैकरिन के विनिर्माण के लिए कच्चे माल, घरेलू उद्योग के खपत मानदंडों तथा यथोचित लाभ को ध्यान में रखते हुए किया है। उपलब्ध उपरोक्त जानकारी के आधार पर सामान्य मूल्य की गणना जांच अवधि के दौरान 1अम.डा. = 45.62 रु0 की औसत विनिमय दर के आधार पर **** अम.डा./मी.टन पर की गई है।

घ.5 निर्यातक प्रश्नावली का प्रत्युत्तर

निर्यात कीमत

39. हालांकि सामान्य मूल्य की गणना चीन जन.गण. को एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश मानने के बाद की गई है लेकिन उत्पादक/निर्यातक द्वारा दिए गए आंकड़ों और परिवहन, बीमा, समुद्री भाड़ा तथा समुद्री बीमा के संबंध में उत्पादक/निर्यातक द्वारा दी गई जानकारी का प्रयोग इन आंकड़ों की पड़ताल होने तक इस प्रारंभिक जांच परिणाम के प्रयोजनार्थ कारखानागत निर्यात कीमत के निर्धारण के लिए किया गया है।

घ.5.1 निर्यात कीमत (मै0 शंघाई फार्चून केमिकल्स कं0 लि0 और मै0 मैजेस्टिक इंटरनेशनल ट्रेडिंग कं0 लि0)

40. प्राधिकारी ने उत्पादक से आयातों की **** अम.डा./मी.टन पर भारित औसत सीआईएफ कीमत तय की है और **** अम.डा. पर अंतर्देशीय भाड़े, **** अम.डा. पर समुद्री भाड़े, **** अम.डा. पर विदेशी बीमे और **** अम.डा. पर ऋण लागत के बारे में समायोजन करने के बाद सैकरिन के संबंध में कारखानागत निर्यात कीमत **** अम.डा./मी.टन आती है।

घ.5.2 निर्यात कीमत (मै0 काइफेंग जिगहुआ फाइन केमिकल फैक्टरी)

41. प्राधिकारी ने उत्पादक से आयातों की **** अम.डा./मी.टन पर भारित औसत सीआईएफ कीमत तय की है और **** अम.डा. पर अंतर्देशीय भाड़े, **** अम.डा. पर समुद्री भाड़े, **** अम.डा. पर विदेशी बीमे और **** अम.डा. पर ऋण लागत के बारे में समायोजन करने के बाद सैकरिन के संबंध में कारखानागत निर्यात कीमत **** अम.डा./मी.टन आती है।

घ.5.3 निर्यात कीमत (मै0 तियानजिन चेंगजि केमिकल कं0 लि0)

42. प्राधिकारी ने उत्पादक से आयातों की **** अम.डा./मी.टन पर भारित औसत सीआईएफ कीमत तय की है और **** अम.डा. पर अंतर्देशीय भाड़े, **** अम.डा. पर समुद्री भाड़े, **** अम.डा. पर अंतर्देशीय बीमे और **** अम.डा. पर छूट/कमीशन के बारे में समायोजन करने के बाद सैकरिन के संबंध में कारखानागत निर्यात कीमत **** अम.डा./मी.टन आती है।

घ.5.4 चीन जन.गण. के अन्य निर्यातक/उत्पादक**निर्यात कीमत**

43. कारखानागत निर्यात कीमत का निर्धारण प्राधिकारी के पास उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार किया गया है। प्राधिकारी ने आयातों की निर्यात कीमत **** अम.डा. पर अंतर्देशीय भाड़े, **** अम.डा. पर विदेशी भाड़े, **** अम.डा. पर विदेशी बीमे, **** अम.डा. पर कमीशन और **** अम.डा. पर अन्य मद पर विचार करने के बाद किया है और सैकरिन के संबंध में कारखानागत निर्यात कीमत **** अम.डा./मी.टन आती है। (जांच अवधि के दौरान 45.62 रु0 = 1अम.डा. की औसत विनिमय दर अपनाई गई है)।

घ.6 पाटन मार्जिन

निर्यातक/उत्पादक	सामान्य मूल्य	निर्यात कीमत अम.डा./मी.टन	पाटन मार्जिन
मै0 शंघाई फार्चून केमिकल कं0 लि0, चीन जन.गण.(विनिर्माता) और मै0 मैजेस्टिक इंटरनेशनल ट्रेडिंग कं0 लि0, हांगकांग (निर्यातक)	***	***	86.13%
मै0 काइफेंग जिगहुआ फाइन केमिकल फैक्टरी	***	***	86.73%
मै0 तियानजिन चेंगजि केमिकल कं0 लि0	***	***	83.86%
अन्य	***	***	2.22%

44. इस प्रकार अन्तिम तौर पर निर्धारित पाटन मार्जिन काफी है और यह न्यूनतम सीमा से अधिक है।

ड. क्षति निर्धारण संबंधी पद्धति और कारणात्मक संबंधों की जांच

ड.1 घरेलू उद्योग के विचार

45. घरेलू उद्योग ने दावा किया है कि घरेलू उद्योग को हुई क्षति चार वर्षों का परिदृश्य ही नहीं है बल्कि घरेलू उद्योग को कई वर्षों से हानि हुई है। घरेलू उद्योग के अनुसार आयातों का रुझान यह दर्शाता है कि इसमें वर्ष 1993-94 से निरंतर वृद्धि होती रही है और तब से घरेलू उद्योग के हिस्से में गिरावट आती रही है। घरेलू उद्योग को मात्रा संबंधी गंभीर क्षति और कीमत क्षति हुई है और उन्होंने दावा किया कि घरेलू उद्योग को क्षति पाटित आयातों के कारण हुई है। उन्होंने आगे यह भी कहा है कि 'घरेलू उद्योग द्वारा ऑफर की गई कीमतों और विदेशी उत्पादकों की कीमतों में भारी अंतर है। हालांकि घरेलू उद्योग उपानुकूल कीमतों की ऑफर करता रहा है लेकिन उसके सामने कीमत कटौती की स्थिति आती रही है। इसके परिणामस्वरूप उपभोक्ता आयातित उत्पाद को अधिकाधिक प्राथमिकता दे रहे हैं। इसके परिणामस्वरूप पाटित आयातों की मात्रा में वृद्धि और घरेलू उद्योग की बिक्री मात्रा में गिरावट आई है।' घरेलू उद्योग की बिक्री मात्रा में आई गिरावट के कारण घरेलू उद्योग के उत्पादन तथा क्षमता उपयोग में गिरावट आई है। घरेलू उद्योग के उत्पाद के लिए मांग इतनी कम हो गई है कि भारतीय उत्पादक अपने कार्यालय को रोकने अथवा बंद करने के लिए बाध्य हो रहे हैं। अधिक कीमत कटौती और घरेलू उद्योग द्वारा परिणामी उपानुकूल कीमतों के होने पर उस पर भारतीय उत्पादकों की वित्तीय स्थिति पर प्रत्यक्ष प्रभाव पड़ा है। भारतीय उत्पादक निरंतर वित्तीय हानियों का सामना करते रहे हैं। ऐसी वित्तीय हानियों में वृद्धि होती रही है, बढ़ती हुई वित्तीय हानियों का नकद प्रवाह और भारतीय उत्पादकों के आरओआई पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है; निरंतर पाटन होने से देश के उत्पादन, क्षमता उपयोग तथा रोजगार में हानि हुई है; अधिक कीमत कटौती के परिणामस्वरूप आयातों की मात्रा में वृद्धि हुई है और इसके परिणामस्वरूप देश में इस उत्पाद की मांग में आयातों के हिस्से में वृद्धि हुई है। इनके प्रत्यक्ष परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा एक दशक पहले के 80% से घटकर इस समय 15% से भी कम हो गया है।

ड.2 प्राधिकारी द्वारा जांच

46. प्राधिकारी ने विभिन्न पक्षकारों द्वारा अपने-अपने निवेदनों में उठाए गए विभिन्न तर्कों को नोट कर लिया है। क्षति विश्लेषण के प्रयोजनार्थ आवेदकों तथा उनके समर्थकों अर्थात् मै0 जेटसंस, जिला थाणे, महाराष्ट्र, मै0 गोल्डस्टार, अंकलेश्वर और मै0 अमीता केमिकल्स, बड़ौदा, गुजरात द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों पर विचार किया गया है।

47. पाटनरोधी कसर के अनुच्छेद 3.1 और पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध II में इन दोनों मुद्दों की उद्देश्यपरक जांच का प्रावधान है, (क) पाटित आयातों की मात्रा तथा समान उत्पादों के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर पाटित आयातों का प्रभाव; और (ख) पाटित आयातों के मात्रा प्रभाव के संबंध में ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन उत्पादों का परिणामी प्रभाव।

प्राधिकारियों से अपेक्षा है कि वे इस बात की जांच करें कि क्या समग्र रूप में अथवा आयातक देश के उत्पादन अथवा खपत के संबंध में आयातों में काफी वृद्धि हुई है। पाटित आयातों के कीमत प्रभाव के संबंध में प्राधिकारियों से अपेक्षा है कि वे इस बात की जांच करें कि क्या आयातक देश में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में पाटित आयातों द्वारा काफी कीमत कटौती हुई है अथवा यह भी कि क्या ऐसे आयातों के प्रभाव से काफी सीमा तक कीमतों पर अन्यथा दबाव आया है अथवा कीमत वृद्धि में रुकावट आई है जो अन्यथा एक काफी सीमा तक बढ़ गई होती।

48. क्षति विश्लेषण के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों की मात्रा तथा कीमत प्रभावों और कीमतों तथा लाभप्रदता पर उसके प्रभावों की जांच की है ताकि क्षति और पाटन एवं क्षति के बीच कारणात्मक संबंधों, यदि कोई हों, जांच की जा सके।

49. चूंकि संबद्ध देश से हुए निर्यातों के संबंध में सकारात्मक पाटन मार्जिन साबित हो गया है, अतः संबद्ध देश से हुए सभी निर्यातों को क्षति विश्लेषण एवं कारणात्मक संबंधों की जांच के प्रयोजनार्थ पाटित आयात माना गया है।

(क) मात्रा प्रभाव: पाटित आयातों का मात्रा प्रभाव और घरेलू उद्योग पर प्रभाव:

50. घरेलू उद्योग ने कहा कि उनके संबद्ध माल का निर्यात सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 के अध्याय 29 के शीर्ष 29251100 के तहत किया जा रहा है। प्राधिकारी ने वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डीजीसीआईएंडएस) के सौदेवार आंकड़ों को ध्यान में लिया है। संबद्ध देश तथा अन्य देशों से सैकरिन के आयातों के वर्ष-वार आंकड़े नीचे तालिका में दिए जा रहे हैं :-

i) आयात मात्रा और संबद्ध देश का हिस्सा

विवरण	इकाई	2001-2002		2002-2003		2003-2004		जन.04 से दिस.04	
		मात्रा	मूल्य	मात्रा	मूल्य	मात्रा	मूल्य	मात्रा	मूल्य
डीजीसीआईएंडएस के अनुसार आयात									
संबद्ध देश (चीन)	मी.टन/लाख	1140.00	1217	1344	1428	1772	2006	1872	2017
प्रवृत्ति	सूचीकृत	100	100	118	117	155	165	164	166
अन्य देश	मी.टन/लाख	14.25	59	46	44	5	13	6	19
प्रवृत्ति	सूचीकृत	100		321		36		44	
कुल आयात	मी.टन/लाख	1154.25	1276	1389	1472	1778	2019	1878	2036
प्रवृत्ति	सूचीकृत	100		120		154		163	

आयातों में बाजार हिस्सा

आयातों का बाजार हिस्सा	इकाई	2001-2002	2002-2003	2003-2004	जन. से दिस.04
चीन	%	98.77	96.70	99.71	99.88
प्रवृत्ति	सूचीकृत	100	98	101	101
अन्य देश	%	1.23	3.30	0.29	0.34
प्रवृत्ति	सूचीकृत	100	267	23	27

51. ये आयात यह दर्शाते हैं कि चीन से हुए आयात कुल आयातों का प्रमुख हिस्सा हैं। अन्य देशों से हुए आयात आधार वर्ष से जांच अवधि तक नाकाफी मात्रा में हुए हैं।
52. चीन से हुए आयातों में निरंतर वृद्धि होती रही है और उनमें आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान 64% की वृद्धि हुई है। इससे इंगित होता है कि मांग में हुई वृद्धि की तुलना में जिनमें आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान 52% की वृद्धि हुई, संबद्ध देश से हुए आयातों में वृद्धि अननुपातिक अधिक रही।
53. संबद्ध देश से हुए आयातों की कीमतें जांच अवधि में आधार वर्ष की तुलना में एकसमान रही हैं लेकिन ये कीमतें अन्य देशों की कीमतों की तुलना में काफी कम रही हैं। संबद्ध देश के संबद्ध माल की कीमतें आधार वर्ष से जांच अवधि तक 25% -45% के बीच रही हैं।
54. आयात आंकड़े यह दर्शाते हैं कि संबद्ध देश से संबद्ध माल के हिस्से में वर्ष 2002-03 को छोड़कर सतत रूप से वृद्धि होती रही। वर्ष 2001-02 में यह 98.8% रहा था और यह जांच अवधि के दौरान बढ़कर 99.7% हो गया जबकि अन्य देशों का हिस्सा जो वर्ष 2000-01 के दौरान 1.2% रहा था, घटकर जांच अवधि के दौरान 0.3% रह गया।

ii) मांग, उत्पादन और बाजार हिस्से

क) मांग में वृद्धि

मांग	इकाई	2001-2002	2002-2003	2003-2004	जन. से दिस.04
चीन से आयात	मी.टन	1140	1344	1772	1872
अन्य देश	मी.टन	14	48	5	8
बिक्री - घरेलू उद्योग	मी.टन	***	***	***	***
बिक्री - अन्य	मी.टन	***	***	***	***
कुल मांग	मी.टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीकृत	100	118	142	149

55. संबद्ध माल की कुल मांग की गणना घरेलू उत्पादकों की घरेलू बिक्रियों और सभी देशों से संबद्ध माल के आयातों (जैसाकि डीजीसीआईएंडएस द्वारा बताया गया) को जोड़ने के बाद की गई है। संबद्ध माल में आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान मांग में काफी वृद्धि दर्शाई गई है। जांच अवधि के दौरान मांग में आधार वर्ष की तुलना में 49% की वृद्धि हो गई। वर्ष-दर-वर्ष आधार पर वर्ष 2002-03 में और 2003-04 में यह क्रमशः 16% से बढ़कर 22% हो गई और जांच अवधि के दौरान यह बढ़कर 5% हो गई जिससे मांग में सतत वृद्धि होने का संकेत मिलता है।

ख) घरेलू उद्योग का उत्पादन

क्षमता	इकाई	2001-2002	2002-2003	2003-2004	जन. से दिस.04
घरेलू उद्योग	मी.टन	570	570	570	570
भारतीय उद्योग	मी.टन	1220	1220	1220	1220

उत्पादन	इकाई	2001-2002	2002-2003	2003-2004	जन. से दिस.04
घरेलू उद्योग	मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीकृत	100	107	106	95

क्षमता उपयोग	इकाई	2001-2002	2002-2003	2003-2004	जन. से दिस.04
घरेलू उद्योग	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीकृत	100	107	106	95

56. घरेलू उद्योग ने आरोप लगाया है कि चीन से कई वर्षों से पाटन निरंतर होता रहा है। अतः यह उद्योग पाटित आयातों से प्रतिस्पर्धा करने के लिए अत्यधिक दबाव में रहा है और इसके कई यूनिट कायम नहीं रह सके इसलिए वे बंद हो गए। घरेलू उत्पादकों जिनके प्लांट अभी भी कायम हैं, हालांकि वे बहुत छोटी मात्रा का उत्पादन कर रहे हों, से संबंधित आंकड़े यह दर्शाते हैं कि भारतीय उद्योग तथा आवेदकों की क्षमता में आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान परिवर्तन नहीं हुआ।

57. सैकरिन के उत्पादन आंकड़े यह दर्शाते हैं कि जांच अवधि के दौरान उत्पादन आधार वर्ष की तुलना में घटकर 95% रह गया। उत्पादन में बीच की अवधि के दौरान लगभग 6 से 7% की वृद्धि हुई लेकिन वह जांच अवधि के दौरान घटकर 95% रह गया।

58. चूंकि जांच अवधि के दौरान क्षमता में परिवर्तन नहीं आया और उत्पादन जांच अवधि के दौरान घटकर 90% रह गया। अतः क्षमता उपयोग, तदनुसार, भी आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान घटकर 95% रह गई। इन आंकड़ों से इंगित होता है कि संबद्ध माल की मांग में हुई काफी वृद्धि का घरेलू उद्योग को लाभ नहीं हुआ है बल्कि इससे यह प्रदर्शित होता है कि उत्पादक को उसी उत्पादन स्तर को जारी रखने में कठिनाई हुई।

ग) घरेलू उद्योग की बिक्रिया

घरेलू बिक्रिया	इकाई	2001-2002	2002-2003	2003-2004	जन. से दिस.04
घरेलू उद्योग	मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीकृत	100	106	101	100

59. बिक्रियों संबंधी आंकड़ों से पता चलता है कि घरेलू बिक्री मात्रा में कोई ज्यादा परिवर्तन नहीं हुआ हालांकि वर्ष 2001-02 के दौरान उसमें 6% की वृद्धि तो हुई थी लेकिन इसमें बाद के वर्षों में गिरावट आ गई और जांच अवधि के दौरान वह आधार वर्ष के स्तर पर आ गई। औसत माल सूची स्टॉक से पता चलता है कि यह वर्ष 2001-02 की 10 दिनों की बिक्री के बराबर रही और इसमें वृद्धि होती रही और यह बढ़कर जांच अवधि के दौरान 31 स्टॉक दिवसों तक पहुंच गया।

60. जांच अवधि के दौरान मांग में 49% की वृद्धि और उपलब्ध क्षमता के बावजूद घरेलू उद्योग न तो अपने उत्पादन में वृद्धि कर सका और न ही वह बिक्रियों में वृद्धि कर सका बल्कि उनकी औसत माल सूची में काफी वृद्धि हो गई जिससे बाजार दशाओं में उत्पादकों को अपने उत्पाद की बिक्री में कठिनाई हुई जहां पाटित माल सस्ती कीमतों पर उपलब्ध रहा।

घ) मांग और बाजार हिस्सा

मांग में हिस्सा	इकाई	2001-2002	2002-2003	2003-2004	जन. से दिस.04
चीन से आयात	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीकृत	100	102	110	111
अन्य देश	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति		100	278	25	30
घरेलू उद्योग	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीकृत	100	91	71	67
अन्य	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति		100	57	38	37

61. इन आंकड़ों से पता चलता है कि जांच अवधि के दौरान मांग में वृद्धि आधार वर्ष की तुलना में 49% हुई। संबद्ध देश की मांग में हिस्सा आधार वर्ष के दौरान काफी अधिक रहा था लेकिन उसमें वृद्धि होती गई और यह आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान 11% हो गया। अन्य देशों की मांग में हिस्सा आधार वर्ष के दौरान नाकाफी रहा और वह जांच अवधि के दौरान कम हो गया जो आधार वर्ष में 30% रहा था। घरेलू उद्योग की मांग के हिस्से में आधार वर्ष से जांच अवधि के दौरान गिरावट आती रही। यह आधार वर्ष में 67% रहा था जो जांच अवधि में कम हो गया। इसीप्रकार, अन्य घरेलू उत्पादकों के हिस्से में सततरूप से गिरावट आती रही जो जांच अवधि के दौरान आधार वर्ष की तुलना में घटकर 37% रह गया। इस विश्लेषण से परिलक्षित होता है कि संबद्ध देश के निर्यातकों ने न केवल मांग में हुई वृद्धि का लाभ उठाया है बल्कि उन्होंने अन्य निर्यातकों तथा घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से पर कब्जा कर दिया जिसके परिणामस्वरूप अन्य निर्यातकों का हिस्सा नाकाफी रह गया।

(ख) घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों का कीमत प्रभाव

62. संबद्ध देश से पाटित आयातों की वजह से घरेलू उद्योग की कीमतों पर पड़े प्रभाव की जांच कीमत कटौती, कम दाम पर बिक्री, कीमत दबाव तथा कीमत मंदी, यदि कोई हो, की जांच की गई है। इस विश्लेषण के प्रयोजनार्थ घरेलू उद्योग की भारित औसत उत्पादन लागत, भारित औसत निवल बिक्री वसूली (एनएसआर) और अक्षतिकारी कीमत (घरेलू उद्योग की लागत निर्धारण जानकारी को सामान्य बनाने के बाद परिकलित) की तुलना संबद्ध देश से हुए आयातों की लैंडेड लागत से की गई है।

(i) जांच अवधि के दौरान कीमत का मूल्यांकन

निर्यात कीमत	इकाई	2001-2002	2002-2003	2003-2004	जन. से दिस.04
चीन	रु०/कि.ग्रा.	106.78	106.27	113.17	107.75
प्रवृत्ति	सूचीकृत	100.00	99.52	105.99	100.91
अन्य आयात	रु०/कि.ग्रा.	411.81	97.13	259.97	309.60

63. कीमतों संबंधी आंकड़ों से विदित होता है कि संबद्ध देश की कीमतों में आधार वर्ष से लेकर जांच-अवधि तक कोई ज्यादा परिवर्तन नहीं हुआ है। किंतु, ये कीमतें अन्य देशों की कीमतों की तुलना में काफी कम रहीं। संबद्ध देश की कीमतें अन्य देशों की कीमतों के 25%-45% के बीच रहीं।

(ii) कीमत कटौती और कम दाम पर बिक्री के प्रभाव

	इकाई	2001-2002	2002-2003	2003-2004	जन. से दिस.04
उत्पादन लागत					
याचिकाकर्ता	रु०/कि.ग्रा.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीकृत	100	98	92	95
बिक्री कीमत					
याचिकाकर्ता	रु०/कि.ग्रा.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीकृत	100	96	95	90
लाभ/हानि					
याचिकाकर्ता	रु०/कि.ग्रा.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीकृत	-100	-113	-66	-156
घरेलू बिक्रियों पर लाभ/हानि					
याचिकाकर्ता	रु०/लाख	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीकृत	-100	-120	-66	-155
नकद लाभ					
याचिकाकर्ता	रु०/लाख	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीकृत	-100	-141	-62	-197
निवल बिक्री वसूली मूल्य (एनएस आर ^x बिक्रियाँ)	रु०/लाख	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीकृत	100	103	95	90
लैंडेड मूल्य					
सीमा शुल्क		35%	30%	25%	20%
चौन	रु०/कि.ग्रा.	145.59	139.53	142.88	130.59
प्रवृत्ति	सूचीकृत	100	96	98	90
कीमत कटौती		***	***	***	***
कीमत कटौती सीमा	%				35-45%
एनआईपी	रु०/कि.ग्रा.				***
कम दाम पर बिक्री कीमत	रु०/कि.ग्रा.				***
कम दाम पर बिक्री कीमत की सीमा	%				37-47%

64. घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत (निवल बिक्री वसूली) से उत्पादन लागत की तुलना में जांच अवधि के दौरान आधार वर्ष के 90% तक गिरावट होने का पता चलता है जो आधार वर्ष के 95% से जांच अवधि के दौरान घट गया।

65. कीमत कटौती का निर्धारण संपूर्ण जांच अवधि में संबद्ध देश से हुए पाटित आयातों के भारित औसत लैंडेड मूल्य की तुलना उसी अवधि के लिए घरेलू उद्योग की भारित औसत निवल बिक्री वसूली मूल्य से की गई है। इस प्रयोजन के लिए आयातों के लैंडेड मूल्य की तुलना संबद्ध देश की निर्यात कीमतों के संबंध में डीजीसीआईएंडएस के आंकड़ों में बताए गए मूल्य में 1% सुपुर्दगी प्रभार और देय मूल सीमाशुल्क जोड़कर की गई है।

66. घरेलू उद्योग की निवल बिक्री वसूली के निर्धारण में घरेलू उद्योग द्वारा ऑफर की गई छूटें, डिस्काउंट तथा कमीशन और भुगतान किए गए केन्द्रीय उत्पाद शुल्क की छूट दी गई है।
67. कम दाम पर बिक्री कीमत के निर्धारण के प्रयोजनार्थ संबद्ध देश से हुए आयातों की भारित औसत लैंडेड कीमत की तुलना जांच अवधि के लिए निर्धारित घरेलू उद्योग की अक्षतिकारी बिक्री कीमत से की गई है।
68. प्राधिकारी नोट करता है कि संबद्ध देश से हुए आयात घरेलू उद्योग की निवल बिक्री वसूली और घरेलू उद्योग के लिए अनुमानित अक्षतिकारी कीमत से कम रही है। इस प्रकार, इसके परिणामस्वरूप कीमत कटौती काफी रही और कम दाम पर बिक्री कीमत काफी कम रही। जांच अवधि के दौरान कीमत कटौती 35-45% के बीच रही और कम दाम पर बिक्री कीमत 37-47% के बीच रही।

(iii) पाटित आयातों के कीमत दबाव तथा मंदी के प्रभाव

69. पाटित आयातों के कीमत संबंधी प्रभावों की जांच भी घरेलू उद्योग के उत्पादन लागत, निवल बिक्री वसूली और लैंडेड मूल्यों के संदर्भ में की गई है।
70. उत्पादन लागत के रुझान से पता चलता है कि उत्पादन लागत जो आधार वर्ष में 95% रही थी, कम हो गई जबकि बिक्री कीमत में जो आधार वर्ष में 95% रही थी, जांच अवधि के दौरान गिरावट आ गई। चूंकि संबद्ध देश से हुए आयात कई वर्षों से काफी कम कीमत पर होते रहे, अतः बिक्री कीमतों में पहले ही दबाव आता गया। किंतु, जांच अवधि के दौरान कीमत कटौती जो 35%-45% रही थी, कीमतों पर और आगे दबाव पड़ गया जिससे बिक्री कीमतें उत्पादन लागत की तुलना में आधार वर्ष के 90% की तुलना में जांच अवधि के दौरान घटकर 95% रह गई।

ड.3 अन्य क्षति कारकों की जांच

71. घरेलू उद्योग की मात्रा तथा कीमतों पर पाटित आयातों और अन्य प्रमुख क्षति संकेतकों जैसे आयातों की मात्रा तथा मूल्य, घरेलू उद्योग की क्षमता, उत्पादन, क्षमता उपयोग तथा बिक्रियों और पिछले खंड में उल्लिखित विभिन्न पक्षकारों के बाजार हिस्सों में मांग पैटर्न, अन्य आर्थिक कारकों जिनसे घरेलू उद्योग को क्षति होने का संकेत मिलता है, के प्रभाव की जांच करने के बाद का निम्नानुसार विश्लेषण किया गया है:-

i) वृद्धि

72. वर्ष-दर-वर्ष आधार पर मापी गई वृद्धि से पता चलता है कि मांग में सतत रूप से वृद्धि होती गई। आयातों में भी सतत वृद्धि होने का पता चलता है। घरेलू उद्योग के संबंध में उत्पादन, घरेलू उद्योग की बिक्री तथा बाजार हिस्से में परिवर्तन से गिरावट होने का पता चलता है। औसत माल सूची में सतत रूप से वृद्धि होती रही।

उत्पादकता

रोजगार (कर्मचारियों की संख्या)	इकाई	2001-2002	2002-2003	2003-2004	जन. से दिस.04
याधिकाकर्ता	सं०	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीकृत	100	98	85	81

बैरान एवं मजदूरी - घरेलू उद्योग	इकाई	2001-2002	2002-2003	2003-2004	जन. से दिस.04
याधिकाकर्ता	लाख रु०	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीकृत	100	92	66	68

उत्पादकता (प्रति कर्मचारी उत्पादन)	इकाई	2001-2002	2002-2003	2003-2004	जन. से दिस.04
याधिकाकर्ता	मी०टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीकृत	100	109	124	116

73. रोजगार संबंधी आंकड़ों से पता चलता है कि कर्मचारियों की संख्या में निरंतर गिरावट आती गई और आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान यह घटकर 80% रह गया। घरेलू उद्योग के वेतन तथा मजदूरियों में आधार वर्ष से जांच अवधि तक गिरावट आती रही। जांच अवधि के दौरान आधार वर्ष की तुलना में यह घटकर 68% रह गया। दूसरी ओर, उत्पादकता जिसे प्रति कर्मचारी संबद्ध माल के उत्पादन के रूप में मापा जाता है, में वृद्धि होने का रुख दर्शाया गया है। इसमें आधार वर्ष से जांच अवधि तक सतत रूप से वृद्धि होती गई और वर्ष 2003-04 के दौरान इसमें 24% की वृद्धि होने के बाद इसमें जांच अवधि के दौरान गिरावट आ गई लेकिन आधार वर्ष से उत्पादकता में जांच अवधि के दौरान 16% की वृद्धि हो गई। उत्पादन की प्रति यूनिट मजदूरी आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान 72% की गिरावट आ गई।

ii) नकद प्रवाह पर लाभ तथा वास्तविक एवं संभावित प्रभाव

	इकाई	2001-2002	2002-2003	2003-2004	जन. से दिस.04
उत्पादन लागत					
याधिकाकर्ता	रु०/कि.ग्रा.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीकृत	100	98	92	95
बिक्री कीमत					
याधिकाकर्ता	रु०/कि.ग्रा.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीकृत	100	96	95	90
लाभ/हानि					
याधिकाकर्ता	रु०/कि.ग्रा.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीकृत	-100	-113	-66	-156
घरेलू बिक्रियों पर लाभ/हानि					
याधिकाकर्ता	रु०/लाख	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीकृत	-100	-120	-66	-155

नकद लाभ					
याचिकाकर्ता	रु०/लाख	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीकृत	-100	-141	-62	-197

74. ये आंकड़े यह इंगित करते हैं कि उत्पादन लागत में आधार वर्ष से लेकर जांच अवधि तक गिरावट आती रही। इसमें जांच अवधि के दौरान आधार वर्ष की तुलना में 95% की गिरावट आ गई। बिक्री कीमत में भी गिरावट का रुख दर्शाया गया है लेकिन बिक्री कीमत में गिरावट उत्पादन लागत में आई गिरावट की तुलना में अधिक दर्शायी गई है। बिक्री कीमत आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान घटकर 90% रह गई। प्रति इकाई हानियों में आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान 56% की वृद्धि हो गई। इसी प्रकार, घरेलू बिक्रियों में आई हानि में वृद्धि होती गई और यह आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान बढ़कर 55% हो गई। नकद (हानियों) में आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान 97% की वृद्धि हो गई।

iii) रोजगार तथा मजदूरियां

रोजगार (कर्मचारियों की संख्या)	इकाई	2001-2002	2002-2003	2003-2004	जन. से दिस.04
याचिकाकर्ता	रु०	**	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीकृत	100	98	85	81
वेतन एवं मजदूरी (घरेलू उद्योग)					
याचिकाकर्ता	लाख रु०	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीकृत	100	92	86	68

75. रोजगार संबंधी आंकड़ों से पता चलता है कि कर्मचारियों की संख्या में गिरावट आती गई और यह आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान घटकर 80% रह गई। घरेलू उद्योग के वेतन तथा मजदूरियों में आधार वर्ष से लेकर जांच अवधि तक सतत रूप से गिरावट आती रही। यह आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान घटकर 68% रह गई।

ix) पूंजी निवेश पर आय और पूंजी लगाने की सामर्थ्य

निवल निर्धारित परिसंपत्तियां (उत्पाद हेतु)	इकाई	2001-2002	2002-2003	2003-2004	जन. से दिस.04
याचिकाकर्ता	लाख रु०	**	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीकृत	100	111	97	101
लगाई गई पूंजी (उत्पाद के लिए)					

याधिकाकर्ता	लाख रु०	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीकृत	100	98	103	97
लगाई गई पूंजी पर आय					
याधिकाकर्ता	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीकृत	-100	-139	-67	-209

76. उपरोक्त आंकड़े यह दर्शाते हैं कि इस उत्पाद के संबंध में कंपनी की निवल निर्धारित परिसंपत्तियों में कोई ज्यादा परिवर्तन नहीं हुआ और उसमें आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान 1% की वृद्धि हो गई। इस उत्पाद के लिए कुल लगाई गई पूंजी में आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान 3% की गिरावट आ गई। लगाई गई पूंजी पर आय में गिरावट आ गई। यह आधार वर्ष में -209(सूचीकृत) रही जबकि आधार वर्ष में यह -100 रही थी।

v) पूंजी निवेश

77. प्राधिकारी नोट करता है कि घरेलू उद्योग ने आधार वर्ष से जांच अवधि तक क्षमता में वृद्धि नहीं की। जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग द्वारा कोई नया पूंजी निवेश नहीं किया गया और जैसाकि उन्होंने बताया है, और आगे पूंजी निवेश करने की उनकी कोई योजना नहीं है।

vi) पाटन की मात्रा

78. किसी सीमा तक संकेतक के रूप में पाटन की मात्रा जिससे पाटित आयातों से घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती है, से पता चलता है कि ऊपर उल्लिखित संबद्ध देश के विरुद्ध निर्धारित पाटन मात्रा जांच अवधि के दौरान काफी अधिक रही है।

vii) कीमतों पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले कारक

79. लागत ढांचा में परिवर्तन, यदि कोई हो, घरेलू उद्योग में प्रतिस्पर्धा और प्रतिस्पर्धी प्रतिस्थापनों की जांच पाटित आयातों से इतर उन कारकों के संबंध में विश्लेषण हेतु की गई है जिनसे घरेलू बाजार की कीमतों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता हो। आधार वर्ष की तुलना में जांच-अवधि के दौरान उत्पादन लागत घटकर 95% रह गई। चीन की निर्यात कीमत में गिरावट होने से पहले वर्ष 2003-04 के दौरान 6% की वृद्धि हो गई और आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान यह 1% अधिक रही। सीमाशुल्क में गिरावट आ गई। यह आधार वर्ष में 35% रही थी जो घटकर जांच अवधि के दौरान 20% रह गई। परिणामस्वरूप, चीन से हुए आयातों के लैंडेड मूल्य आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान घटकर 90% रह गया। किंतु, आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान बिक्री कीमत घटकर 90% रह गई। प्राधिकारी नोट करता है कि संबद्ध देश से आयातित माल का लैंडेड मूल्य घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से काफी कम रहा जिससे भारतीय बाजार में गंभीर कीमत कटौती आ गई।

viii) मालसूची

	इकाई	2001-2002	2002-2003	2003-2004	जन. से दिस. 04
औसत स्टॉक					
याचिकाकर्ता	मी0टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीकृत	100	158	306	316
स्टॉक में बिक्री दिवसों की संख्या					
घरेलू उद्योग	दिन	9.79	14.67	29.96	30.92

80. ये आंकड़े यह इंगित करते हैं कि घरेलू उद्योग की माल सूची में आधार वर्ष से जांच-अवधि तक सततरूप से वृद्धि होती रही। इसमें आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान 316% की वृद्धि हो गई। बिक्री दिवसों की संख्या में परिवर्तित होने पर यह वर्ष 2001-02 में 10 दिवसों के बराबर रही थी और यह जांच अवधि के दौरान बढ़कर 31 दिवस हो गई।

उ.4 क्षति मापकों के संबंध में निष्कर्ष

81. संबद्ध माल की मांग में जांच अवधि के दौरान 52% की वृद्धि हो गई जबकि घरेलू उद्योग की बिक्री मात्रा उसी स्तर पर रह गई। बिक्री दिवसों की संख्या में परिवर्तित होने पर औसत माल सूची में वृद्धि होकर यह जांच अवधि के दौरान 10 दिनों से बढ़कर 31 दिन हो गई। उत्पादन आधार वर्ष की तुलना में बढ़कर 95% रह गया और क्षमता उपयोग जो आधार वर्ष में उपानुकूल स्तर पर रही थी वह पुनः घटकर जांच अवधि के दौरान 90% रह गई। घरेलू उद्योग का मांग में हिस्सा जांच अवधि के दौरान घट गया। उत्पादन लागत घटकर 95% रह गई, बिक्री कीमत आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान घटकर 90% रह गई। निरंतर पाटन की वजह से कीमत दबाव के बावजूद कीमतों में और आगे दबाव आ गया क्योंकि जांच अवधि के दौरान कीमत कटौती 35-45% के दायरे में रही। आधार वर्ष के दौरान हानियों का सामना कर रहे घरेलू उद्योग की वित्तीय स्थिति और अधिक बिगड़ गई क्योंकि नकद प्रवाह तथा आरआई पर पाटन तथा गंभीर कीमत कटौती के कारण प्रतिकूल प्रभाव पड़ा। आर्थिक मापकों के विश्लेषण से घरेलू उद्योग के निष्पादन में गिरावट और घरेलू उद्योग को क्षति होने का संकेत मिलता है।

उ.5 अन्य ज्ञात कारक तथा कारणात्मक संबंध

82. उपरोक्त विश्लेषण से इंगित होता है कि घरेलू उद्योग और संबद्ध देश के निर्यातक की कीमतों में काफी अंतर रहा है। हालांकि घरेलू उद्योग को अपने उत्पाद की बिक्री से हानियां हुई हैं लेकिन वे अब भी पाटित आयातों से अत्यधिक कीमत कटौती का सामना कर रहे थे जिसके परिणामस्वरूप संबद्ध देश से हुए आयातों के कारण घरेलू उद्योग बेदखल हो गया और इन आयातों ने उनके हिस्से पर कब्जा कर लिया। इसके परिणामस्वरूप उत्पादन और मांग में हिस्से के संबंध में समग्र रूप से पाटित आयातों की मात्रा में वृद्धि हुई। कीमत कटौती तथा कीमत स्तर की मौजूदगी जिससे घरेलू उत्पादक को अपनी वित्तीय स्थिति पर प्रत्यक्ष रूप से

कुप्रभाव पड़ने से बिक्री करने को बाध्य होना पड़ा और उसके परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग के नकद प्रवाह तथा पूँजी पर आय पर प्रभाव पड़ा है ।

83. प्राधिकारी ने कारणात्मक संबंध तथा उक्त नियमावली में यथाविहित अश्रेयस्कर कारकों की भी जांच की है जिससे अन्य कारकों के परिणामस्वरूप क्षति, यदि कोई है, को अलग किया जा सके । इस संबंध में उपरोक्त नियमावली में निर्धारित निम्नलिखित संकेतात्मक कारकों की जांच की गई है ।

i) अन्य स्रोतों से आयातों की मात्रा और कीमत

84. प्राधिकारी नोट करता है कि अन्य देश से हुए आयातों की मात्रा ज्यादा नहीं है । संबद्ध देश से हुए आयातों का हिस्सा जांच अवधि के दौरान कुल आयातों के 99.7% रहा है । इस प्रकार, अन्य देशों से हुए आयातों के कारण घरेलू उद्योग को क्षति नहीं हुई है ।

ii) मांग में कमी और/अथवा खपत के पैटर्न में परिवर्तन

85. क्षति अवधि के दौरान संबद्ध माल में सतत वृद्धि दर्शाई गई है । संबद्ध माल की कुल मांग में आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान 49% की वृद्धि दर्शाई गई है । घरेलू बाजार में इस उत्पाद के खपत पैटर्न में ऐसा कोई ज्यादा परिवर्तन नहीं हुआ है जिसे घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कारण माना जा सकता है ।

iii) व्यापार प्रतिबंधात्मक पद्धतियां और विदेशी तथा घरेलू उत्पादकों के बीच प्रतिस्पर्धा

86. प्राधिकारी नोट करता है कि इस उद्योग में कोई प्रतिबंधात्मक पद्धति मौजूद नहीं है जिसके कारण घरेलू उद्योग को क्षति हुई हो ।

iv) प्रौद्योगिकी विकास

87. प्राधिकारी नोट करता है कि इस उत्पाद की उत्पादन प्रौद्योगिकी में कोई परिवर्तन नहीं आया है । अतः किसी अन्य प्रौद्योगिकी के विकास को घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कारण नहीं माना जा सकता है ।

v) निर्यात निष्पादन

88. प्राधिकारी नोट करता है कि घरेलू उद्योग द्वारा कोई निर्यात नहीं किया गया और इसीलिए यह कारक घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कारण नहीं हो सकता है ।

vi) घरेलू उद्योग की उत्पादकता

89. घरेलू उद्योग की उत्पादकता में प्रांति कर्मचारी उत्पादन की दृष्टि से काफी सुधार हुआ है। अतः उत्पादकता ऐसा कारक नहीं हो सकता है जिससे घरेलू उद्योग को क्षति हुई हो। वास्तव में, उत्पादन की प्रति यूनिट मजदूरी में जांच अवधि के दौरान गिरावट आई।
90. ऐसा कोई अन्य कारक प्राधिकारी के संज्ञान में नहीं लाया गया है जिसकी वजह से घरेलू उद्योग को क्षति होने की संभावना हो।
91. उपरोक्त जांच के आधार पर यह निष्कर्ष दिया जाता है कि संबद्ध देश से निर्यातित संबद्ध माल की कीमतें घरेलू उद्योग के सामान्य मूल्य, अक्षतिकारी कीमत और आवेदकों के संबद्ध माल की औसत बिक्री वसूली की तुलना में काफी कम है और पाटन, क्षति तथा कारणात्मक संबंध स्पष्ट रूप से साबित किए गए हैं।

च. क्षति मार्जिन की मात्रा

92. प्राधिकारी द्वारा निर्धारित अक्षतिकारी कीमत की तुलना क्षति मार्जिन के निर्धारण के प्रयोजनार्थ निर्यातों के लैंडेड मूल्य से की गई है। अक्षति मार्जिन की गणना निम्नानुसार की गई है:-

क्षति मार्जिन की गणना

कंपनी का नाम	क्षति
मै० शंघाई फार्चून केमिकल क० लि०	*** अम.डा. प्रति मी.टन
मै० काइफेंग जिगहुआ फाइन केमिकल फैक्टरी	*** अम.डा. प्रति मी.टन
मै० तियांजिन चेंगजि केमिकल क० लि०	*** अम.डा. प्रति मी.टन
चीन जन.गण के अन्य	*** अम.डा. प्रति मी.टन

छ. निष्कर्ष:

93. पूर्वोक्त पर विचार करने के बाद प्राधिकारी इस निष्कर्ष पर पहुंचता है कि:-

- क) भारत को संबद्ध देश से संबद्ध माल का निर्यात उसके सामान्य मूल्य से कम कीमत पर किया गया है।
- ख) घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है।
- ग) यह क्षति संबद्ध देश से पाटित आयातों के कारण हुई है।

ज. भारतीय उद्योग के हित तथा अन्य मुद्दे

94. प्राधिकारी नोट करता है कि पाटनरोधी शुल्कों का प्रयोजन सामान्य रूप से, पाटन की अनुचित व्यापार पद्धतियों द्वारा भारतीय उद्योग को होने वाली क्षति समाप्त करना होता है ताकि भारतीय

बाजार में एक मुक्त तथा उचित प्रतिस्पर्धा की स्थिति पुनर्स्थापित की जा सके जोकि देश के सामान्य हित में जरूरी होता है। पाटनरोधी उपायों के करने से संबद्ध देश से आयात किसी भी तरह रुकेंगे नहीं और इसीलिए उससे उपभोक्ताओं को इस उत्पाद की उपलब्धता पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

झ. सिफारिशें

95. प्राधिकारी नोट करता है कि यह जांच प्रारंभ की गई और इसे सभी इच्छुक पक्षकारों को अधिसूचित किया गया और निर्यातकों, आयातकों तथा अन्य इच्छुक पक्षकारों को इस बात के लिए पर्याप्त अवसर दिया गया कि वे पाटन, क्षति तथा कारणात्मक संबंधों के पहलू पर सकारात्मक जानकारी प्रदान करें। पाटन, क्षति तथा पाटन तथा घरेलू उद्योग को हुई क्षति के बीच कारणात्मक संबंध की उपर्युक्त नियमावली के अनुसार जांच प्रारंभ तथा उसको पूरा करने पर और संबद्ध देश के विरुद्ध अनंतिम तौर पर सकारात्मक पाटन मार्जिन को साबित किए जाने के बाद और यह निष्कर्ष किए जाने के बाद कि घरेलू उद्योग को ऐसे पाटित आयातों के कारण वास्तविक क्षति होती है, प्राधिकारी की राय है कि जांच के पूरा होने तक पाटन तथा क्षति को रोकने के लिए अनंतिम उपाय करना आवश्यक है।
96. अतः प्राधिकारी नीचे वर्णित प्रारूप तथा तरीके में संबद्ध देश से संबद्ध माल के आयातों पर अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाना आवश्यक समझता है और इसकी सिफारिश करता है।
97. प्राधिकारी द्वारा अपनाए गए अपेक्षतया कम शुल्क संबंधी नियम को ध्यान में रखते हुए, प्राधिकारी पाटन मार्जिन तथा क्षति मार्जिन से कम की बराबर राशि का अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने की सिफारिश करता है जिससे घरेलू उद्योग को हो रही क्षति समाप्त की जा सके। तदनुसार नीचे दी गई तालिका के कॉलम 8 में इंगित राशि के बराबर अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने की सिफारिश की जाती है जो इस संबंध में संबद्ध देश के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध माल के सभी आयातों पर केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी होने वाली अधिसूचना की तारीख से प्रभावी होगा।

शुल्क तालिका

क्र.सं.	उप-शीर्ष अथवा टैरिफ मद	माल का विवरण	उदभव का देश	निर्यात का देश	उत्पादक	निर्यातक	राशि	माप की इकाई	मुद्रा
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1.	29251100 अथवा अन्य कोई सीमाशुल्क शीर्ष	सैकरिन	चीन जन. गण.	चीन जन. गण.	शंघाई फार्चून केमिकल्स कं० लि० चीन	मैजैस्टिक इंटरनेशनल ट्रेडिंग कं० लि०	1643.92	मी.टन	अम.डा.
2.	वही	वही	चीन जन. गण.	चीन जन. गण.	शंघाई फार्चून केमिकल्स कं० लि० चीन	कोई	1643.92	मी.टन	अम.डा.
3.	वही	वही	चीन जन. गण.	चीन जन. गण.	काइफेंग जिगहुआ फाइन केमिकल फैक्टरी	कोई	1568.19	मी.टन	अम.डा.

4.	वही	वही	चीन जन. गण.	चीन जन. गण.	ताइनजिन चेंजजि केमिकल कॉ0 लि0	कोई	1576.97	मी. टन	अम. डा.
5.	वही	वही	चीन जन. गण.	चीन जन. गण.	कोई	कोई	2770.48	मी. टन	अम. डा.
6.	वही	वही	चीन जन. गण.	चीन जन. गण. के अलावा अन्य कोई देश	कोई	कोई	2770.48	मी. टन	अम. डा.
7.	वही	वही	चीन जन. गण. के अलावा अन्य कोई देश	चीन जन. गण.	कोई	कोई	2770.48	मी. टन	अम. डा.

ट अगली प्रक्रिया:

98. प्रारंभिक जांच-परिणामों को अधिसूचित किए जाने के पश्चात् निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाई जाएगी:-
- (क) प्राधिकारी इन जांच परिणामों पर सभी इच्छुक पक्षकारों से टिप्पणियां आमंत्रित करता है और उन पर अंतिम जांच परिणामों में विचार किया जाएगा;
- (ख) संबंधित ज्ञात निर्यातकों, आयातकों, आवेदकों तथा अन्य इच्छुक पक्षकारों को प्राधिकारी द्वारा अलग-अलग पत्र भेजे जा रहे हैं जो उक्त आशय के पत्र के जारी होने की तारीख से 40 दिनों के भीतर अपने-अपने विचार प्रस्तुत कर सकेंगे। कोई अन्य पक्षकार भी इन जांच परिणामों के प्रकाशन की तारीख से 40 दिनों के भीतर अपने-अपने विचार प्रस्तुत कर सकेंगे;
- (ग) प्राधिकारी यथा-आवश्यक सीमा तक और आगे पड़ताल करेगा;
- (घ) प्राधिकारी आवश्यक तथ्यों का खुलासा अंतिम जांच परिणामों की घोषणा से पहले करेगा।

क्रिस्टी एल. फेर्नांडेज, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)

NOTIFICATION

New Delhi, the 1st April, 2006

Preliminary Findings

Subject: Anti-dumping investigation involving imports of Saccharin exported from or originating in China PR

No. 14/27/2004-DGAD.—Having regard to the Customs Tariff Act 1975 as amended in 1995 (hereinafter referred to as the Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, (hereinafter referred to as the Rules) thereof:

2. Whereas M/s AS Enterprises, Mumbai, M/s Swati Petrochemicals Pvt. Ltd., Thane and M/s Shree Vardayani Chemical Industry Co. Ltd., Gujarat and their supporters

representing All India Saccharin Manufacturers Association, Mumbai (herein after referred to as the Applicants) have filed an application before the Designated Authority (hereinafter referred to as the Authority), in accordance with the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 (herein after referred as Rules), alleging dumping of Saccharin (herein after referred to as subject goods), originating in or exported from China PR (herein after referred to as subject country) and requested for initiation of Anti Dumping investigations for levy of anti dumping duties on the subject goods. The Authority notified the Embassy of China PR about the receipt of dumping allegation in accordance with sub rule 5(5) of Rules.

3. AND WHEREAS, the Authority on the basis of sufficient evidence submitted by the applicant on behalf of the domestic industry, issued a public notice dated 4th July, 2005 published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating Anti-Dumping investigations concerning imports of the subject goods originating in or exported from the subject country in accordance with the sub-Rule 6(1) of the Rules to determine the existence, degree and effect of alleged dumping and to recommend the amount of antidumping duty, which if levied would be adequate to remove the injury to the domestic industry.

A. Procedure

4. Procedure described below has been followed with regard to this investigation after issuance of the public notice notifying the initiation of the above investigations by the Authority.

- (i) The Designated Authority sent copies of initiation notification dated 4th July 2005 to the Embassy of the subject country in India, known exporters from the subject country, importers and the domestic industry as per the addresses made available by the applicants and requested them to make their views known in writing within 40 days of the initiation notification.
- (ii) The Authority provided copies of the non-confidential version of the application to the known exporters and to the Embassy of China PR in accordance with Rule 6(3) supra.
- (iii) The Embassy of the People's Republic of China in India, was informed about the initiation of the investigation in accordance with Rule 6(2) with a request to advise the exporters/producers from their country to respond to the questionnaire within the prescribed time. Copies of the letters and questionnaire sent to the exporters were also sent to them, alongwith the names and addresses of the exporters.
- (iv) A questionnaire for according market economy treatment was forwarded to all the known exporters and the Embassy of the Peoples' Republic of China and Bureau of Fair Trade China (BOFT) China PR. While, for the purpose of initiation, the normal value in China PR was considered based on the constructed cost of production of the subject goods in China PR, the authority informed the known exporters that it proposed to examine the claim of the applicant in the light of para (7) & (8) of Annexure-I of the Anti-Dumping Rules as amended. The concerned exporters / producers of the subject goods from China PR were therefore requested to furnish necessary information / sufficient evidence as mentioned in sub-paragraph (3) of paragraph 8 to enable the Designated Authority to consider

whether market economy treatment could be granted to cooperating exporters / producers who could demonstrate that they satisfied the criteria stipulated in the said paragraph.

- (v) The Authority sent a questionnaire, to elicit relevant information to the known exporters in China PR in accordance with Rule 6(4);
- (vi) In response to the above notification the following exporters from the subject country filed their responses to questionnaire:
 - a) M/s Shanghai Fortune Chemicals Co. Ltd., China PR (Manufacturer) and M/s Majestic International Trading Co. Ltd., Hong Kong (Exporter)
 - b) M/s Kaifeng Xinghua Fine Chemical Factory
 - c) M/s Tianjin Changjie Chemical Co. Ltd.
- (vii) Questionnaires were sent to known importers and Consumers of subject goods in India calling for necessary information in accordance with Rule 6(4).
- (viii) Request was made to the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) to arrange details of imports of subject goods for the past three years and the period of investigations;
- (ix) The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file kept open for inspection by the interested parties;
- (x) Optimum cost of production and cost to make and sell the subject goods in India based on the information furnished by the applicant on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) was worked out so as to ascertain if Anti-Dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to Domestic Industry;
- (xi) *** in this Notification represents information furnished by the applicant on confidential basis and so considered by Authority under the Rules;
- (xii) Investigation was carried out for the period starting from 1.1.2004 to 31.12.2004 (POI). The examination of trends in the context of injury analysis covered the period from 1st April 2001 to 31st March 2004 and the POI.

B. Product under Consideration

5. The product under consideration in the present investigation is Saccharin.

6. Saccharin is a non-nutritive sweetener and considered to be low calorie substitute for cane sugar. Saccharin is primarily produced in three types i.e. sodium saccharin, calcium saccharin and insoluble saccharin. Saccharin is produced in two physical forms, viz. granular and powder. Sodium saccharin in granular form is used in situation where saccharin will be dissolved, the powder form which have been grounded and spray dried is used in dry mixes and pharmaceuticals. Insoluble form of saccharin is used in many pharmaceutical and medical applications. It is slightly soluble in water. Saccharin is more than 500 times sweeter than sugar. All forms of Saccharin are within the scope of the present investigation.

7. Saccharin is used in a variety of industry such as food and beverage, personal care products, table top sweeteners, electroplating brighteners, pharmaceuticals, etc.

8. Saccharin is classified under Chapter 29 of the Customs Tariff Act, 1975 under sub-headings No 29251100. The Custom classification is indicative only and not binding on the scope of investigations.

B.1 Like Article

9. The domestic industry has claimed that the goods produced by them are 'like articles' to the goods originating in or exported from subject country. The domestic industry is producing Saccharin in all its forms. Material produced by domestic industry and imported from China are comparable in physical form and chemical composition. Saccharin imported from China and produced by the domestic industry are technically and commercially substitutable. The domestic industry has also claimed that for manufacturing of Saccharin, Chinese producer follows maumis process for production of Saccharin whereas the Indian producers follow sodium dichromate route, however, there is no difference in the final product.

10. M/s Shanghai Fortune Chemicals Co. Ltd. stated that they are selling only sodium saccharin to the Indian market.

11. The authority notes that saccharin produced by the domestic industry and imported from China are comparable. There is no difference in product imported from China PR and produced by the domestic industry. The products produced by the domestic industry and imported from subject Country being identical in all essential characteristics and commercially and technically substitutable, therefore, are treated as like articles within the meaning of the term as per 2(d) of the Rules.

C. Standing of the Domestic Industry and initiation of the investigation

12. The application was filed by M/s A S Enterprises, Mumbai, M/s Swati Petrochemicals Pvt. Ltd., Thane and M/s Shree Vardhyani Chemical Industry Co. Ltd., Gujarat and their supporters representing All India Saccharin Manufacturers Association, Mumbai, which are the producers of the subject goods in India. The applicants and their supporters account for 81.73% production of subject goods in India and there is no opposition to the application, therefore, the applicant constitute domestic industry within the meaning of the Indian Anti-dumping Rules. Other interested parties have not raised any argument in this regard.

D. Methodology for calculation of dumping margin and examination of market economy

D.1 Views of the Domestic Industry

13. The domestic industry submitted that China is a non-market economy. China has been treated as non-market economy by European Commission and USA in the past three years. In India the Designated Authority has treated China as non-market economy practically in all the investigations initiated after the amendment dated 31.5.2002. Therefore, China is a non-market economy and market economy status treatment cannot be granted to the Chinese producers.

D.2 Submissions made by producers/exporters

D.2.1 Submissions by M/s Shanghai Fortune Chemicals Co. Ltd.(manufacturer) China PR and M/s Majestic International Trading Co. Ltd. (Exporter), Hong Kong.

14. The above mentioned producer and exporter stated that M/s Shanghai Fortune Chemicals Co. Ltd. is a limited company 100% owned by Fortune Knitting Co. Ltd., a company incorporated in Hong Kong. None of the shareholders of the company is a

Chinese national. It further states that entire capital of the company has been contributed by a foreign company listed in Hong Kong and is regulated and governed by Company Law, Labour Law and Law of Wholly Foreign-owned Enterprises and Law of Accountancy of China PR. It also stated that raw materials purchased by the company reflect the market prices are not affected by any State intervention/direction/involvement. It states that M/s Shanghai Fortune Chemicals Co. Ltd. is independently operating its business and arranging its production or sales according to the development of the market and no State or local authority involved in fixing prices to be sold or quantities to be procured.

15. The protocol of accession of China to the WTO do not indicate Saccharin or any of the raw material for its production as subject to the price control. M/s Shanghai Fortune Chemicals Co. Ltd. is regulated and governed by all the laws including bankruptcy and property law applicable to the company. The company and the business sector does not have any special exemption.

16. The respondent company was asked to provide details, inter alia about raw materials, power supply and restriction/control on production of saccharin. Though the complete reply has not been submitted, however, regarding raw material details it has been stated that only 5 major raw materials for which consumption norms are available have been given, for others it has been stated that to prepare complete norms for all the remaining 15 items would be too cumbersome and hence not given. Regarding control on production of Saccharin, it has been admitted that there is a production control over saccharin in China by the Government but production control is primarily intended to ensure quality of the product as it is used for edible preparations. It has been further stated that such restrictions do not amount to market intervention. Chinese control over production of saccharin is solely intended to control unauthorised use of saccharin which may cause health hazards. It has also been stated that regulations on saccharin have been issued jointly by Ministry of Health and SETC. Therefore, these regulations should not be construed as Government intervention leading the industry to operate under non-market condition.

D.2.2. Submission made by M/s Kaifeng Xinghua Fine Chemical Factory (Xinghua)

17. Xinghua is a State-owned enterprise in which Government of Kaifeng city holds 100% shares on behalf of Chinese people. It is governed by law of People's Republic of China on Industrial Enterprises owned by the whole people and Ordinance of Workers' Representative Congress of Industrial Enterprise of Public Ownership. Company Law is not applicable to them.

18. Raw materials and other inputs for manufacturing of Saccharin are procured from open market and rates are negotiated and fluctuant. It also states that 'since saccharin industry has a nature of serious pollution, it is necessary for State to take some measures to guide saccharin producers for the purpose of environment protection. Saccharin producers can independently determine production, quantity and sales prices'.

19. Accounting principles are governed by Accounting Law of People's Republic of China which is issued by Standing Committee of the National People's Congress and Accounting System for Business Enterprises which is issued by the Ministry of Finance. About profit distribution, it states that 'Xinghua allocates 10% of its profits to its statutory common welfare fund. The rest eighty percent is undistributed. It should be noticed that the profit distribution will be decided by Xinghua itself and it is not involved any government control'. About bankruptcy and property law it states that Law of People's Republic of China Enterprise Bankruptcy applies to Xinghua.

D.2.3 Submissions made by M/s Tianjin Changjie Chemical Co. Ltd (Changjie)

20. Changjie states that it is a Chinese-foreign joint venture company registered under the Law of PR China on Chinese Foreign Equity Joint Ventures and owned by Tianjin Sanqian Science and Technology Group Company (Chinese company) and Xianggang Jielian Trading Co. Ltd. (Hong Kong company). It also states that the Company Law is not applicable to it as it is a Sino-Foreign Joint Venture company.

21. All raw materials and other inputs for manufacturing of Saccharin are purchased from open market and rates are negotiated and fluctuant.

22. Accounting principle and practices used by Changjie are governed by the Accounting Law of the People's Republic of China which is issued by the Standing Committee of the National People's Congress and Accounting System of Business Enterprises which is issued by the Ministry of Finance.

23. About the profit distribution, it states that 'Changjie shall withdraw the reserve fund, the enterprise development fund and the employees' encouragement and welfare fund according the law. Those funds are drawn from the profit after Changjie pays the income tax according to the law, and the percentage to be withdrawn is decided by the board. It should be noticed that the profit distribution will be decided by Changjie itself and it is not involved any government control.

D.3 Examination of Response to Market Economy Treatment Questionnaire by the Authority

24. The Designated Authority, as per para 8 (2) of the annexure 1 of AD rules for the purpose of assessing the normal value proceeded with the presumption that any country that has been determined to be or has been treated as a non-market economy for the purposes of anti-dumping investigations by the Designated Authority or by the competent authority of any WTO member country during the three years period preceding the investigation is a non-market economy country. In the past three years China PR has been treated as a non-market economy country in the anti-dumping investigations by WTO members such as EU and USA. In the instant case China PR has been proposed to be investigated as a non-market economy country.

25. As per Paragraph 8, Annexure I to the Anti Dumping Rules as amended, the presumption of a non-market economy can be rebutted if the exporter(s) from China provide information and sufficient evidence on the basis of the criteria specified in sub paragraph (3) in Paragraph 8 and prove the contrary. The cooperating exporters/producers of the subject goods from People's Republic of China are required to furnish necessary information/sufficient evidence as mentioned in sub-paragraph (3) of paragraph 8 in response to the Market Economy Treatment questionnaire to enable the Designated Authority to consider the following criteria as to whether:-

- a) the decisions of concerned firms in China PR regarding prices, costs and inputs, including raw materials, cost of technology and labour, output, sales and investment are made in response to market signals reflecting supply and demand and without significant State interference in this regard, and whether costs of major inputs substantially reflect market values;
- b) the production costs and financial situation of such firms are subject to significant distortions carried over from the former non-market economy system, in particular in relation to depreciation of assets, other write-offs, barter trade and payment via compensation of debts;

- c) such firms are subject to bankruptcy and property laws which guarantee legal certainty and stability for the operation of the firms and
- d) the exchange rate conversions are carried out at the market rate.

26. The Authority sent copies of the questionnaires to all the known exporters for the purpose of determination of normal value. Responses have been received from three producer and related exporter and they have claimed Market Economy Treatment (MET). Response information to the questionnaire was filed by the following producers/exporters:

1. M/s Shanghai Fortune Chemicals Co. Ltd., China PR and M/s Majestic International Trading Co. Ltd., Hong Kong
2. M/s Kaifeng Xinghua Fine Chemical Factory, China PR
3. M/s Tianjin Changjie Chemical Co. Ltd., China PR

D.3.1 M/s Shanghai Fortune Chemicals Co. Ltd., China PR and M/s Majestic International Trading Co. Ltd., Hong Kong

27. The Authority noted that complete details about raw material are yet to be provided. The discounts given by power companies are yet to be explained. As per submissions made by the company, there is a production control on saccharin. However, the claim of the company that it is quality control and not the production control need detailed examination. The respondent has indicated that it would be submitting additional information on these issues. The Authority has examined the submissions made by the respondent exporter and finds that, *prima facie*, there is a control on output of Saccharin and, therefore, it cannot be inferred that decisions regarding productions are being made in response to market signals reflecting demand and supply. However, the claim of the respondent that the control is intended for quality purpose need a detailed examination. In addition, other issues would also be examined in details on receipt of additional information. Therefore, at this stage it is not possible to draw any definite conclusion about market economy status of the respondent manufacturer/exporter. Consequently, the Authority is proceeding treating the respondent manufacturer/exporter as operating under non-market economy.

D.3.2 M/s Kaifeng Xinghua Fine Chemical Factory

28. It is stated by the above mentioned company that it is a state-owned company to which law of People's Republic of China on Industrial Enterprises owned by the whole people applies. As per Chapter III of the said Law under the heading "Rights and Obligations of the Enterprise" it clearly states that the enterprise will work under the guidance of the State relating to production, sales, pricing etc. In the Chapter VI under the heading "Relationship between the Enterprises and the Government" it states about Government's right to issue mandatory plans about capital construction, major technical transformation, appoint or remove, reward or punish factory directors, and leading administrative cadres, etc. It also states about Government department's power to exercise administrative and supervisory control over the enterprise in respect of development plan and operational decisions. It also states that local government shall provide the enterprise with 'the needed materials and coordinate relations between enterprise and other units in the locality'.

29. From the above said provisions that are applicable to the enterprise, it is apparent that on this Government-controlled enterprise (Xinghua) decision making in respect of production, pricing and procurement of raw materials and other operational matters are guided by the Government. About the profit distribution as well the decision is guided by the Government. Therefore, in view of the aforesaid, it cannot be inferred that Xinghua is working in accordance with Market Economy principles and decisions regarding prices, cost and inputs, cost of technology and labour, output sales and investment are made in response to market signals reflecting supply and demand.

D.3.3 M/s Tianjin Changjie Chemical Co. Ltd

30. The 'Tianjin' was asked to provide ownership details of the holding companies. One of the holding company was Tianjin Sanqian Science and Technology Group Company and its name was changed to Tianjin Sanqian Group Limited Corporation on January 2005. It has been informed that this holding corporation is owned by four Chinese individuals, however, no further detail including Article of Association has been provided. About the other holding company, M/s Hong Kong Jielian Trading Co., it has been informed that this is a privately-owned company by a Hong Kong citizen. No further detail has been provided.

31. About the raw material purchased by 'Tianjin' it has been informed that they are not completely aware of the ownership of suppliers.

32. The 'Tianjin' was asked to clarify the Corporate Law under which it is governed. It has been informed that 'there may be some confusion. Pursuant to Article 18 of Company Law, the present law (Company Law) shall apply to limited liability companies with foreign investments where laws concerning Chinese-foreign equity joint ventures, provide otherwise, such provisions shall prevail.' Earlier it was informed that Company Laws does not apply to them. The confusion about applicability of law still prevails.

33. The 'Tianjin' was asked to specify government control/restriction on the production of Saccharin. It has been informed that 'since Saccharin industry has a nature of serious pollution, it is necessary for the State to take some measures to guide Saccharin producers for the purpose of environment protection and save resources. They are some kinds of macro policy.' 'This kind of policy is normal in all economies and should not be treated as State-control or involvement'. In the reply no policy or such kind of guidelines have been provided to make an assessment whether any control/restriction applies on the production of Saccharin. On the labour and profit distribution as well there are restrictions indicating State interference in the Changjie.

34. In absence of complete information about the ownership details, details about suppliers of raw materials and restriction on production of saccharin, it is not possible at this stage to draw a definite conclusion about the market economy status of the exporter, therefore, the Authority is proceeding treating the 'Tianjin as non-market economy exporter pending details of the assertions made. Final conclusions about the market economy status would be drawn after giving full opportunity to the exporter for rebutting this presumption.

35. The Authority however, will draw a final conclusion after preliminary findings and after detailed verification of the MET response and providing ample opportunity to the responding companies to rebut this presumption.

36. The Authority is, therefore, unable to apply the principles set out in paragraph 1 to 6 of Annexure 1 for determination of normal value for the Chinese exporters. The normal value in respect of all exporters/producers from China PR is determined as per Rules relating to non-market economy as contained in para 7 of Annexure 1 of AD Rules.

37. As per para 7 of Annexure 1 of AD Rules, the Authority is required to determine normal value on the basis of 'price or constructed value in the market economy third country or the price from such a third country to other countries, including India or where it is not possible, or on any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like product.' The domestic industry has proposed that S. Korea may be considered as appropriate market economy third country and has provided some data in respect of export prices from S. Korea in this regard. On examination of this data it has been found that if prices from S. Korea to other countries are taken as normal value, the dumping margin would be higher than that calculated by relying on the constructed normal value, therefore, at this stage this information has not been relied upon. The prices from third country to India would also be not appropriate to determine as imports from other countries (other than subject country) to India is very small to permit any meaningful conclusion of the normal value. Therefore, the Authority has determined the normal value by resorting to method 'any other reasonable basis'.

D.4 Normal Value

38. Under the circumstances, the authority has constructed the normal value by considering the raw material for manufacture of Saccharin at the international prices, the consumption norms of the domestic industry and reasonable profit. Based on above information available, the normal value has been calculated as USD *** PMT after considering the average exchange rate during POI of 1USD=Rs.45.62/-

D.5 Response to the Exporter's Questionnaire

Export Price

39. Though the normal value has been constructed considering China PR as a non-market economy, however, the data provided by the producer/exporter and the information given by the producer/exporter regarding inland transportation, insurance, ocean freight and marine insurance has been used to determine ex-factory export price for the purpose of this preliminary finding pending verification of the data.

D.5.1 Export price (M/s Shanghai Fortune Chemicals Co. Ltd. & M/s Majestic International Trading Co. Ltd.)

40. The authority has taken weighted average CIF price as \$*** PMT of imports from the producer and after considering adjustment on account of inland freight as \$***, ocean freight as \$***, overseas insurance as \$*** and credit cost as \$***, ex-factory export price for Saccharin comes to USD *** per MT.

D.5.2 Export price (M/s Kaifeng Xinghua Fine Chemical Factory)

41. The authority has taken weighted average CIF price as USD *** PMT of imports from the producer and after considering adjustment on account of inland freight as \$***, overseas freight as US\$***, overseas insurance as US\$*** commissions as *** and others as \$*** ex-factory export price for Saccharin comes to USD *** PMT.

D.5.3 Export Price (M/s Tianjin Changjie Chemical Co. Ltd.)

42. The authority has taken weighted average CIF price as \$*** PMT of imports from the producer and after considering adjustment on account of inland freight as \$ ***, overseas freight as \$***, inland insurance as \$ ***, and rebates/commission as \$ ***, ex-factory export price for Saccharin comes to USD *** per MT.

D.5.4 Other exporters/producers from China PR**Export Price**

43. The ex-factory export price has been determined as per data available with the authority. The authority has taken CIF price as \$*** of imports, after considering adjustment on account of inland freight as \$ ***, overseas freight as US\$ ***, overseas insurance as US\$ *** commissions as *** and others as \$*** ex-factory export price for Saccharin comes to USD *** PMT. (The average exchange rate of Rs.45.62/- =1USD during the period of investigation has been adopted.)

D.6 Dumping Margin

Exporter/Producer	Normal Value	Export Price USD/MT	Dumping Margin
M/s Shanghai Fortune Chemicals Co. Ltd., China PR (Manufacturer) and M/s Majestic International Trading Co. Ltd., Hong Kong (Exporter)	***	***	86.13 %
M/s Kaifeng Xinghua Fine Chemical Factory	***	***	86.73 %
M/s Tianjin Changjie Chemical Co. Ltd.	***	***	83.86 %
Others	***	***	202.22 %

44. The dumping margins so determined provisionally are significant and above de minimis.

E. METHODOLOGY FOR INJURY DETERMINATION AND EXAMINATION OF CAUSAL LINKS**E.1 Views of the domestic industry**

45. Domestic industry has claimed that the injury to the domestic industry is not four years phenomena and the domestic industry has suffered injury since many years. As per the domestic industry, trend of imports shows that it has been increasing consistently since 1993-94 and share of the domestic industry had been declining since then. Domestic industry has faced severe volume injury as well as price injury and claimed that injury to the domestic industry has been caused by the dumped imports. It further states that 'There is too significant difference between the prices offered by the domestic industry and foreign

producers. Even when the domestic industry has been offering sub-optimal prices, it is facing significant price undercutting. Resultantly, the consumers are increasingly preferring imported product. This has resulted in increase in volume of dumped imports and decline in sales volume of the domestic industry.' 'Decline in sales volume of the domestic industry directly resulted in decline in production and capacity utilization of the domestic industry. Such is the extent of declining demand for the domestic industry's product that the Indian producers are being forced to suspend or close their operations; existence of significant price undercutting and resultant sub-optimal prices offered by the domestic industry have had direct impact on the financial situation of the Indian producers. Indian producers have been facing continuous financial losses. Such financial losses have been increasing; deteriorating financial losses are adversely impacting the cash flow and the ROI of the Indian producers; continuous dumping has resulted in loss of production, capacity utilization and the employment of the country; significant price undercutting has resulted in increase in volume of imports and consequently increase in share of imports in the demand of the product in the country. As a direct consequence, market share of the domestic industry fell from over 80% a decade before to less than 15% at present.'

E.2 Examination by the Authority

46. The Authority has taken note of various arguments raised by various parties in their submissions. For the purpose of injury analysis the data provided by applicants and their supporters namely, M/s Jetsons, Dist. Thane, Maharashtra, M/s Goldstar, Ankleshwar, and M/s Ameeta Chemicals, Baroda, Gujarat have been taken into account.

47. Article 3.1 of the ADA and Annexure II of the AD Rules provide for an objective examination of both, (a) the volume of dumped imports and the effect of the dumped imports on prices in the domestic market for the like products; and (b) the consequent impact of these imports on domestic producers of such products, with regard to the volume effect of the dumped imports. The authorities are required to examine whether there has been a significant increase in imports, either in absolute term or relative to production or consumption in the importing member. With regard to the price effect of the dumped imports, the authorities are required to examine whether there has been significant price undercutting by the dumped imports as compared to the price of the like product in the importing country, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree, or prevent price increase, which would have otherwise occurred to a significant degree.

48. For the purpose of injury analysis the Authority has examined the volume and price effects of dumped imports of the subject goods on the domestic industry and its effect on the prices and profitability to examine the existence of injury and causal links between the dumping and injury, if any.

49. Since positive dumping margin has been established for the exports from the subject country, entire exports from the subject country has been treated as dumped imports for the purpose of injury analysis and causal links examination.

(A) VOLUME EFFECT: Volume Effect of dumped imports and Impact on domestic Industry

50. The domestic industry stated that their subject goods are being exported under heading 29251100 of the Chapter 29 of Custom Tariffs Act, 1975. The Authority taken

transaction-wise data from Directorate General of Commercial Intelligence & Statistics (DGCI&S). The year wise data of imports of saccharin from subject country and other countries are given below:

i) **Import Volumes and share of subject country**

Particulars	Unit	2001-2002		2002-2003		2003-2004		Jan 04-Dec 04	
		Volume	Value	Volume	Value	Volume	Value	Volume	Value
Import as per DGCI&S									
Subject Country (China)	MT/Lacs	1140.00	1217	1344	1428	1772	2006	1872	2017
Trend	Indexed	100	100	118	117	155	165	164	166
Other Countries	MT/Lacs	14.25	59	46	44	5	13	6	19
Trend	Indexed	100		321		36		44	
Total Imports	MT/Lacs	1154.25	1276	1389	1472	1778	2019	1878	2036
Trend	Indexed	100		120		154		163	

Market Share in Imports

Market share of Import	Unit	2001-02	2002-03	2003-04	Jan-Dec' 04
China	%	98.77	96.70	99.71	99.68
Trend	Indexed	100	98	101	101
Other countries	%	1.23	3.30	0.29	0.34
Trend	Indexed	100	267	23	27

51. Import data shows that imports from China constitute major portion of total imports. Imports from other countries constitute insignificant quantities from base year to POI.

52. Imports from China had been rising consistently and had increased by 64% during POI as compared to base year. This indicates that as compared to growth in demand which had risen by 52% during POI as compared to base year the imports growth from the subject country had been disproportionately high.

53. The prices of imports from subject country had remained same from base year to POI, however, these prices were significantly below as compared to the prices from the other countries. Prices of subject goods from subject country were in the range of 25%-45% of the prices from other countries from base year to POI.

54. Data on imports shows share of subject goods from the subject country had been rising consistently except in the year 2002-03. It was 98.8% in the year 2001-02 and it increased to 99.7% during POI whereas share of the other countries which was only 1.2% during 2000-01, declined to 0.3% during POI.

ii) Demand, Output and Market shares

a) Growth in Demand

Demand	Unit	2001-02	2002-03	2003-04	Jan-Dec' 04
Imports from China	Mt	1140	1344	1772	1872
Other Countries	Mt	14	46	5	6
Sales - domestic Industry	Mt	***	***	***	***
Sales -Others	Mt	***	***	***	***
Total demand	Mt	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	116	142	149

55. The total demand of the subject goods has been calculated by addition of domestic sales of domestic producers and imports (as reported by DGCI&S) of subject goods from all the countries. The subject goods shows robust growth in demand during POI as compared to base year. During POI the demand had risen by 49% as compared to the base year. On the year to year basis, in 2002-03 and 2003-04 it rose by 16% and 22% respectively and during POI it rose by 5% indicating consistent growth in demand.

b) Production of the Domestic Industry

Capacity	Unit	2001-02	2002-03	2003-04	Jan-Dec' 04
Domestic industry	MT	570	570	570	570
Indian Industry	MT	1220	1220	1220	1220

Production	Unit	2001-02	2002-03	2003-04	Jan-Dec' 04
Domestic industry	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	107	106	95

Capacity Utilization	Unit	2001-02	2002-03	2003-04	Jan-Dec' 04
Domestic industry	%	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	107	106	95

56. The domestic industry has alleged that dumping from China had been continuously taking place since many years. The industry, therefore, have been under severe pressure to compete with the dumped imports and many of the units were unable to survive and had to close down. The data, of the Indian producers which are still having plants, though may be producing very small quantities, show that capacities of the Indian industry and applicants had not changed during POI as compared to base year.

57. The data on production of saccharin shows that production during POI had come down to 95% of the base year. The production had risen by approximately 6 to 7% during the intervening period but declined to 95% of base year during POI.

58. As the capacity had not changed during the POI and production had come down to 95% during POI, accordingly the capacity utilisation has also come down to 95% of base year during POI. The data indicates that the robust growth in demand of the subject goods had not benefited the domestic industry rather it shows that producer had been finding it difficult even to continue with the same level of production.

c) Sales of Domestic Industry

Domestic Sales	Unit	2001-02	2002-03	2003-04	Jan-Dec' 04
Domestic Industry	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	106	101	100

59. The data on sales shows the domestic sales quantity had not changed much, though it risen by 6% during 2001-02, however, it declined in subsequent year and came down to the level of the base year during POI. The average inventory stock shows that it was equivalent to 10 days of sales in 2001-02 and it kept on rising and reached to 31 days of stock during POI.

60. Despite the growth in demand by 49% during POI and available capacity, the domestic industry neither could increase their production nor increase their sales rather their average inventory increased considerably showing difficulties of producers in selling their product in the market conditions where dumped materials were available at cheap prices.

d) Demand and Market Share

Share In Demand	Unit	2001-02	2002-03	2003-04	Jan-Dec' 04
Imports from China	%	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	102	110	111
Other Countries	%	***	***	***	***
Trend		100	278	25	30
Domestic Industry	%	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	91	71	67
Others	%	***	***	***	***
Trend		100	57	38	37

61. The data shows that growth in demand during POI was 49% as compared to the base year. The share in demand from subject country was quite significant during the base year, however, it kept on increasing and rose by 11% during POI as compared to base year. The share in demand from other countries was insignificant during base year and declined to miniscule 30% of the base year during POI. The share in demand of the domestic industry kept on declining from base year to POI. It declined to 67% of the base year during POI. Similarly, the share of the other domestic producers kept on declining consistently and declined to 37% of the base year during POI. The analysis shows that the exporters from the subject country not only took advantage of growth in demand rather they captured the market share of other exporters and domestic industry, consequently the other exporters had been reduced to insignificant players.

(H) Price Effect of the Dumped Imports on the Domestic Industry

62. The impact on the prices of the domestic industry on account of the dumped imports from the subject country has been examined with reference to the price undercutting, price underselling, price suppression and price depression, if any. For the purpose of this analysis the weighted average cost of production, weighted average Net Sales Realization (NSR) and the Non-injurious Price (NIP) of the Domestic industry (worked out after normating the costing information of the Domestic Industry) have been compared with the landed cost of imports from the subject country.

(i) Evaluation of price over Period of Investigation

Export Price	Unit	2001-02	2002-03	2003-04	Jan-Dec' 04
China	Rs./Kg	106.78	106.27	113.17	107.75
Trend	Indexed	100.00	99.52	105.99	100.91
Other Import	Rs./Kg	411.81	97.13	259.97	309.60

63. The data on prices reveal that prices from subject country had not changed much from base year to POI. However, these prices were very low as compared to prices from other countries. The prices from subject country were in the range of 25%-45% of the prices from the other countries.

(ii) Price undercutting and underselling effects

	Unit	2001-02	2002-03	2003-04	Jan-Dec' 04
Cost of Production					
Petitioner	Rs./kg.	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	98	92	95
Selling Price					
Petitioner	Rs./kg.	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	96	95	90
Profit/ Loss					
Petitioner	Rs./kg.	***	***	***	***
Trend	Indexed	-100	-113	-66	-156
Profit/ Loss on Domestic sales					
Petitioner	Rs./Lacs	***	***	***	***
Trend	Indexed	-100	-120	-66	-155
Cash Profit					
Petitioner	Rs. Lacs	***	***	***	***
Trend	Indexed	-100	-141	-62	-197
Net Sales Realisation Value (NSR x Sales)					
Petitioner	Rs. Lacs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	103	95	90
Landed value					
Customs Duty		35%	30%	25%	20%

China	Rs./kg.	145.59	139.53	142.88	130.59
Trend	Indexed	100	96	98	90
Price Undercutting		***	***	***	***
Price Undercutting Range	%				35-45%
NIP	Rs/Kg				***
Price underselling	Rs/Kg				***
Price underselling Range	%				37-47%

64. Selling price (Net Sales Realisation) of the domestic industry shows decline to 90% of the base year during the period of investigation as compared to the cost of production which declined to 95% of the base year during POI.

65. Price undercutting has been determined by comparing the weighted average landed value of dumped imports from the subject country over the entire period of investigation with the weighted average net sales realization of the domestic industry for the same period. For this purpose landed value of imports has been calculated by adding 1% handling charge and applicable basic customs duty to the value reported in the DGCI&S data of export prices from the subject country.

66. In determining the net sales realization of the domestic industry, the rebates, discounts and commissions offered by the domestic industry and the central excise duty paid have been rebated.

67. For the purpose of price underselling determination the weighted average landed prices of imports from subject country have been compared with the Non-injurious selling price of the domestic industry determined for the POI.

68. The Authority notes that Imports from the subject country have been significantly below the net sales realization of the domestic industry as well as the non-injurious price estimated for the domestic industry thus resulting in significant price undercutting and underselling. Price undercutting is in the range of 35-45% and price underselling is in the range of 37-47 % during POI.

(iii) Price suppression and depression effects of the dumped imports

69. The price suppression effect of the dumped imports has also been examined with reference to the cost of production, net sales realization and the landed values from the subject country.

70. The trend of cost of production shows that cost of production declined to 95% of the base year whereas the selling price declined to 90% of the base year during POI. As imports from subject country were coming at significantly low prices since many years, therefore, selling prices were already depressed. However, the undercutting in the range of 35%-45% during POI further suppressed the prices whereby selling prices declined to 90% of the base year as compared to the cost of production which declined to 95% of the base year during POI.

E.3 Examination of other Injury Parameters

71. After having examined the effect of dumped imports on the volumes and prices of the domestic industry and major injury indicators like volume and value of imports, capacity, output, capacity utilization and sales of the domestic industry as well as demand pattern with market shares of various segments in the earlier section, other economic parameters which could indicate existence of injury to the domestic industry have been analysed hereunder as follows:

i) Growth

72. Growth measured on year to year basis shows that demand had been rising consistently. The imports also show consistent growth. Change in production for the domestic industry, sales and market share of the domestic industry shows declining trend. Average inventory had been rising consistently.

Productivity

Employment (Number of employees)	Unit	2001-02	2002-03	2003-04	Jan-Dec' 04
Petitioner	Nos.	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	98	85	81

Salary & Wages DI	Unit	2001-02	2002-03	2003-04	Jan-Dec' 04
Petitioner	Rs. Lacs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	92	66	68

Productivity (Production per employee)	Unit	2001-02	2002-03	2003-04	Jan-Dec' 04
Petitioner	Mt	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	109	124	116

73. The data on employment shows that the number of employees had been continuously declining and it declined to 81% of the base year during POI. The salary and wages of domestic industry had been falling from base year to POI. It declined to 68% of the base year during POI. On the other hand, productivity which is measured as production of subject goods per employee, shows a rising trend. It had been consistently rising from base year to POI and after increasing by 24% during 2003-04 it declined during POI, however, from the base year the productivity improved by 16% during POI. The wages per unit of production declined to 72% of the base year during POI.

ii) Profits and actual and potential effects on the cash flow

	Unit	2001-02	2002-03	2003-04	Jan-Dec' 04
Cost of Production					
Petitioner	Rs./kg.	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	98	92	95
Selling Price					
Petitioner	Rs./kg.	***	***	***	***

Trend	Indexed	100	96	95	90
Profit/ Loss					
Petitioner	Rs./kg.	***	***	***	***
Trend	Indexed	-100	-113	-66	-156
Profit/ Loss on domestic sales					
Petitioner	Rs./Lacs	***	***	***	***
Trend	Indexed	-100	-120	-66	-155
Cash Profit					
Petitioner	Rs. Lacs	***	***	***	***
Trend	Indexed	-100	-141	-62	-197

74. The data indicates the cost of production had been declining from base year to POI. It declined to 95% of the base year during POI. The selling price had been showing declining trend, however, the decline in selling price is more pronounced as compared to the decline in cost of production. The selling price declined to 90% of the base year during POI. The losses per unit increased by 56% during POI as compared to base year. Similarly, the losses on domestic sales had been rising and increased by 55% during POI as compared to base year. The cash (losses) increased by 97% during POI as compared to the base year.

iii) **Employment and wages**

Employment (Number of employees)	Unit	2001-02	2002-03	2003-04	Jan-Dec' 04
Petitioner	Nos.	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	98	85	81
Salary & Wages DI					
Petitioner	Rs. Lacs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	92	66	68

75. The data on employment shows that the number of employees had been declining and it declined to 81% of the base year during POI. The salary and wages of domestic industry had been falling consistently from base year to POI. It declined to 68% of the base year during POI.

iv) **Return on investment and ability to raise capital**

	Unit	2001-02	2002-03	2003-04	Jan-Dec' 04
Net Fixed Assets (for Product)					
Petitioner	Rs. Lacs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	111	97	101
Capital Employed (for Product)					
Petitioner	Rs. Lacs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	98	103	97
Return on Capital Employed					

Petitioner	%	***	***	***	***
Trend	Indexed	-100	-139	-67	-209

76. The above data shows that the net fixed assets of the company for this product had not changed significantly and rose by 1% during POI as compared to the base year. The total capital employed for the product had declined by 3% during POI as compared to the base year. The return on capital employed steeply declined to -209 (indexed) from the base of -100 in the base year.

v) Investment

77. The authority notes that the domestic industry had not raised the capacity from base year to POI. There had been no fresh investment by the domestic industry during the period of investigation and there are no plan for further investment as submitted by them.

vi) Magnitude of Dumping

78. Magnitude of dumping as an indicator of the extent to which the dumped imports can injure the domestic industry shows that the dumping margin determined against the subject country named, for the POI, is significant.

vii) Factors affecting prices

79. Change in cost structure if any, competition in the domestic industry and prices of competing substitutes have been examined for analyzing the factors other than dumped imports that might be affecting the prices in the domestic market. The cost of production declined to 95% of the base year during POI. The export price from China increased by 6% during 2003-04 before declining and it was 1% higher during POI as compared to base year. The custom duty declined from 35% in base year to 20% during POI. Consequently, landed value of imports from China declined to 90% during POI as compared to base year. However, the selling price declined to 90% of the base year during POI. The Authority notes that Landed values of imported material from subject country was significantly below the selling price of the domestic industry, causing severe price undercutting in the Indian market.

viii) Inventories

	Unit	2001-02	2002-03	2003-04	Jan-Dec' 04
Average Stock					
Petitioner	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	158	306	316
Number of days of sales in stock					
Domestic Industry	Days	9.79	14.67	29.96	30.92

80. The data indicates that the inventory of the domestic industry had been consistently rising from base year to POI. It increased by 316% during POI as compared to base year.

Translated in to number of days of sales it was equivalent to 10 days in 2001-02 and it increased to 31 days during POI.

E.4 Conclusion on injury parameters

81. The demand of subject goods increased by 52% during POI whereas sales volume of domestic industry remained at the same level. The average inventory translated in to number of days of sales increased from 10 days to 31 days during POI. The production declined to 95% of the base year, the capacity utilization which was at sub-optimal level in the base year further declined to 90% of the base year during POI. The market share in demand of the domestic industry declined during POI. The cost of production declined to 95%, the selling price declined to 90% of the base year during POI. Despite depression of prices because of continuous dumping, the prices were suppressed further because of undercutting in the range of 35-45% during POI. The financial situation of the domestic industry which was facing losses during the base year further deteriorated because of the dumping and severe undercutting adversely impacting the cash flow and ROI. The analysis of economic parameters indicate significant decline in the performance and injury to the domestic industry.

E.5 Other Known factors and Causal Link

82. The foregoing analysis indicates that there were significant differences in the prices of the domestic industry and the exporter from the subject country. Even when the domestic industry were selling the product by incurring losses they were still facing significant undercutting from dumped imports consequently the imports from the subject country displaced the domestic industry and captured their share. This resulted in increase in volume of dumped imports, in absolute term in relation to production and share in demand. Existence of undercutting and the level of prices at which domestic producer was forced to sell directly impacted on their financial situation and consequently impacting the cash flow and return on investment of the domestic industry.

83. The Authority has also examined the issue of causal link and other non-attribution factors as laid down in the Rules to segregate injury if any caused by other factors. In this regard the following indicative factors as laid down in the Rules have been examined.

i) Volume and prices of imports from other sources

84. The authority notes that the volume of imports from other country is insignificant. Imports from the subject country is having share of 99.7% of total imports during Period of Investigation. Thus, imports from other countries have not contributed to the injury to the domestic industry.

ii) Contraction in demand and / or change in pattern of consumption

85. The subject goods have shown consistent growth during the injury period. The total demand of subject goods have shown growth of 49% during Period of Investigation as compared to the base year. There is also no significant change in consumption pattern of the product in the domestic market which could be attributed to the injury to the domestic industry.

iii) **Trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers**

86. The Authority notes that there is no restrictive practice prevalent in the industry which could be attributed to the injury to the domestic industry.

iv) **Development of technology**

87. The Authority notes that technology for production of the product has not undergone any change. Development of any other technology, therefore, cannot be attributed to the injury to the domestic industry.

v) **Export performance**

88. The Authority notes that there was no exports made by the domestic industry, therefore, this factor is not attributable to the injury to the domestic industry.

vi) **Productivity of the Domestic Industry**

89. Productivity of the domestic industry in terms of production per employee has shown significant improvement. Therefore, productivity is not a factor which can be attributed to the injury of the domestic industry. In fact wages per unit of production had declined during POI.

90. No other factor which could have possibly caused injury to the domestic industry has been brought to the knowledge of Authority.

91. On the basis of the above examination it is concluded that the subject goods exported from the subject country are at prices far below their normal value, Non Injurious Price of the domestic industry and the average sales realization of the subject goods of the applicants, and the dumping, injury and causal links have been clearly established

F. Magnitude of Injury Margin

92. The non-injurious price determined by the Authority has been compared with the landed value of the exports for determination of injury margin. The injury margins have been worked out as follows:

Injury Margin

Name of company	Injury Margin
M/s Shanghai Fortune Chemical Co. Ltd.	US\$***per MT
M/s Kaifeng Xinghua Fine Chemical Factory	US\$ ***per MT
M/s Tianjin Changjie Chemical Co. Ltd	US\$ ***per MT
Others from China PR	US\$ ***per MT

G. Conclusions

93. The Authority has, after considering the foregoing, come to the conclusion that:

- a. The subject goods have been exported to India from the subject country below its normal value;
- b. The domestic industry has suffered material injury;
- c. The injury has been caused by the dumped imports from subject country.

H. Indian Industry's Interest & Other Issues

94. The Authority notes that the purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the Domestic Industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country. Imposition of anti-dumping measures would not restrict imports from the subject country in any way, and, therefore, would not affect the availability of the products to the consumers.

I. Recommendations

95. The Authority notes that the investigation was initiated and notified to all interested parties and adequate opportunity was given to the exporters, importers and other interested parties to provide positive information on the aspect of dumping, injury and causal links. Having initiated and conducted a preliminary investigation into dumping, injury and causal links between dumping and injury to the domestic industry in terms of the Rules laid down and having provisionally established positive dumping margin against the subject country, as well as material injury to the domestic industry caused by such dumped imports, the Authority is of the view that imposition of provisional duty is required to offset dumping and injury pending completion of the investigation.

96. Therefore, Authority considers it necessary and recommends provisional anti-dumping duty on imports of subject goods from the subject country in the form and manner described hereunder.

97. Having regard to the lesser duty rule followed by the authority, the Authority recommends imposition of provisional anti-dumping duty equal to the lesser of margin of dumping and margin of injury, so as to remove the injury to the domestic industry. Accordingly, provisional antidumping duty equal to the amount indicated in Col 8 of the table below is recommended to be imposed from the date of notification to be issued in this regard by the Central Government, on all imports of subject goods originating in or exported from the subject country.

Duty Table

Sl. No	Sub-Heading Or Tariff Item	Description of Goods	Country of Origin	Country of Export	Producer	Exporter	Amount	Unit of Measurement	Currency
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)
1.	29251100 or	Saccharin	China PR	China PR	Shanghai Fortune Chemicals Co.	Majestic International	1643.92	MT	USD

	Any other Head of Customs				Ltd., China	Trading Co. Ltd.			
2.	Do	Do	China PR	China PR	Shanghai Fortune Chemicals Co. Ltd., China	Any	1643.92	MT	USD
3.	Do	Do	China PR	China PR	Kaifeng Xinghua Fine Chemical Factory	Any	1568.19	MT	USD
4.	Do	Do	China PR	China PR	Tianjin Changjie Chemical Co. Ltd.	Any	1576.97	MT	USD
5.	Do	Do	China PR	China PR	Any	Any	2770.48	MT	USD
6.	Do	Do	China PR	Any country other than China PR	Any	Any	2770.48	MT	USD
7.	Do	Do	Any country other than China PR	China PR	Any	Any	2770.48	MT	USD

J. Further Procedures

98. The following procedure would be followed subsequent to notifying the preliminary findings:-

- (a) The Authority invites comments on these findings from all interested parties and the same would be considered in the final finding;
- (b) Exporters, importers, applicants and other interested parties known to be concerned are being addressed separately by the Authority, who may make known their views, within forty days from the date of the dispatch of the letter. Any other interested party may also make known its views within forty days from the date of publication of these findings;
- (c) The Authority would conduct further verification to the extent deemed necessary;
- (d) The Authority would disclose essential facts before announcing final findings.

CHRISTY L. FERNANDEZ, Designated Authority